राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

समय दर्शन

ESTD : Since 2011

रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक खबरों के साथ

वर्ष 15, अंक 53 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रुपये दुर्ग, सोमवार 29 दिसंबर 2025 www.samaydarshan.in

पहला कॉलम

नए साल से पहले गिग वर्कर्स का बड़ा ऐलान : 31 दिसंबर को देशव्यापी हड़ताल

नई दिल्ली। भारत की गिग इकोनॉमी में काम करने वाले डिलीवरी पार्टनर्स ने नए साल के जश्न से पहले अपनी मांगों को लेकर मोर्चा खोल दिया है। अमेज़न, जोमैटो, स्विगी और ब्लिंकिट जैसे प्लेटफॉर्म्स से जुड़े डिलीवरी पार्टनर्स ने 25 दिसंबर (क्रिसमस) को हुई सफल हड़ताल के बाद अब 31 दिसंबर 2025 को देशव्यापी हड़ताल का आह्वान किया है। यह आह्वान तेलंगाना गिग एंड प्लेटफॉर्म वर्कर्स यूनियन और इफ्ब्ज की ओर से किया गया है। हड़ताल के पीछे घटती कमाई, असुरक्षित और लंबे काम के घंटे, तथा प्लेटफॉर्म नीतियों में पारदर्शिता की कमी जैसे मुद्दे बताए जा रहे हैं। यूनियनों का कहना है कि लगातार बढ़ते दबाव के बावजूद श्रमिकों की आय और सुरक्षा को लेकर ठोस व्यवस्था नहीं है। यदि यह हड़ताल बड़े पैमाने पर सफल होती है, तो नए साल की शाम मेट्रो और टियर-2 शहरों में फूड व ग्रॉसरी डिलीवरी सेवाएं बुरी तरह प्रभावित हो सकती हैं।

अधिक ठंड के कारण पटना में 8वीं तक के सभी स्कूल 30 दिसंबर तक बंद

पटना। राजधानी पटना में कक्षा 8वीं तक के सभी स्कूलों को 30 दिसंबर तक बंद कर दिया गया है। यह फैसला बढ़ती ठंड के कारण किया गया है। जिला मजिस्ट्रेट डॉ. थियागराजन एस.एम. ने शुक्रवार को जारी आदेश में पटना जिले के सभी सरकारी और निजी स्कूलों (आंगनवाड़ी केंद्रों और प्री-स्कूल सहित) में कक्षा 8वीं तक की शैक्षणिक गतिविधियों को 30 दिसंबर 2025 तक पूरी तरह प्रतिबंधित कर दिया है। यह आदेश 27 दिसंबर (शनिवार) से लागू होकर 30 दिसंबर तक प्रभावी रहेगा। आदेश में स्पष्ट किया गया है कि मौजूदा कम तापमान के कारण बच्चों के स्वास्थ्य और जीवन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका है। इसलिए भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 163 के तहत यह कदम उठाया गया है। कक्षा 9वीं और उससे ऊपर की कक्षाएं सुबह 10.00 बजे से दोपहर 3.30 बजे के बीच उचित सावधानियों के साथ संचालित की जा सकती हैं।

पनवेल फार्महाउस पर सलमान खान ने पैपराजी के साथ काटा केक

मुंबई। बॉलीवुड एक्टर सलमान खान अपना 60वां जन्मदिन मना रहे हैं। सोशल मीडिया पर उन्हें ढेर सारी बधाईयां मिल रही हैं। हर साल की तरह इस साल भी अभिनेता ने अपने पनवेल स्थित फार्महाउस में जश्न मनाने से पहले पैपराजी के सामने केक काटा। इस मौके पर सलमान खान के साथ उनके पिता सलीम खान, उनकी भांजी और कुछ करीबी लोगों को देखा गया। अपने जन्मदिन पर सलमान खान सादगी भरे लुक में दिखे। उन्होंने सिंपल ब्लैक टी-शर्ट और डेनिम की जींस पहनी। अभिनेता के जन्मदिन को खास बनाने के लिए बड़ा केक आया, जिसे उन्होंने काटा और पैपराजी को अपने हाथों से खिलाया।

पीएम मोदी ने की मन की बात

भारत की उम्मीदों की वजह युवा शक्ति-पीएम मोदी.......

नई दिल्ली/ एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज यानी रविवार को मन की बात कार्यक्रम के 129वें एपिसोड में देश को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने इस साल सेना का शौर्य बना ऑपरेशन सिंदूर, स्वतंत्रता सेनानी पार्वती गिरि, एंटीबायोटिक दवाओं, कश्मीर के बारामूला में मिले बौद्ध स्तूपों के अवशेष और देश में युवा की भागेदारी समेत कई अहम मुद्दों पर बातचीत की। पीएम मोदी ने कहा कि कुछ ही दिनों में साल 2026 दस्तक देने वाला है और इस दौरान पूरे एक साल की यादें मन में घूम रही हैं। 2025 ने ऐसे कई पल दिए, जिस पर हर भारतीय को गर्व हुआ। भारत ने हर जगह अपनी मजबूत छाप छोड़ी। पीएम मोदी ने आगे कहा कि हमारे देश की सबसे खूबसूरत बात ये है कि सालभर हर समय देश के किसी-ना-किसी हिस्से में उत्सव का माहौल रहता है 7 अलग-अलग पर्व-त्योहार तो हैं ही, साथ ही विभिन्न राज्यों के स्थानीय उत्सव भी आयोजित होते रहते हैं। यानि, अगर आप घूमने का मन बनाएं, तो हर समय, देश का कोई-ना-कोई कोना अपने उत्सव के साथ तैयार मिलेगा। पीएम मोदी ने इस दौरान स्वतंत्रता सेनानी पार्वती गिरी को याद किया। उन्होंने कहा कि

अगले महीने हम देश का 77वां गणतंत्र दिवस मनाएंगे। जब भी ऐसे अवसर आते हैं, तो हमारा मन स्वतंत्रता सेनानियों और संविधान निर्माताओं के प्रति कृतज्ञता के भाव से भर जाता है 7 हमारे देश ने आजादी पाने के लिए लंबा संघर्ष किया है। उन्होंने कहा कि आजादी के आंदोलन में देश के हर हिस्से के लोगों ने अपना योगदान दिया है 7 लेकिन, दुर्भाग्य से आजादी के अनेकों नायक-नायिकाओं को वो सम्मान नहीं मिला, जो उन्हें मिलना चाहिए था। पीएम मोदी ने पार्वती गिरि को याद करते हुए कहा कि ऐसी ही एक स्वतंत्रता सेनानी हैं ओडिशा की पार्वती गिरि जी। जनवरी 2026 में उनकी जन्म-शताब्दी मनाई जाएगी 7 उन्होंने 16 वर्ष की आयु में 'भारत छोड़ो आंदोलन' में हिस्सा लिया था। साथियो, आजादी के आंदोलन के बाद पार्वती गिरि जी ने अपना जीवन समाज सेवा और जनजातीय कल्याण को समर्पित कर दिया था। उन्होंने कई अनाथालयों की स्थापना की। उनका प्रेरक जीवन हर पीढ़ी का मार्गदर्शन करता रहेगा। मन की बात के इस साल के आखिरी कार्यक्रम में पीएम मोदी ने एंटीबायोटिक दवाओं के सेवन को लेकर अहम बातें की। उन्होंने कहा कि आईसीएमआर (इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च) ने हाल ही में एक जारी रिपोर्ट जारी की है ।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने जनप्रतिनिधियों संग 'मन की बात'कार्यक्रम की 129वीं कड़ी का श्रवण

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज मुख्यमंत्री निवास में जनप्रतिनिधियों के साथ प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' की 129वीं कड़ी का श्रवण किया। इस अवसर पर सांसद श्री संतोष पाण्डेय, विधायक श्री प्रबोध मिंज एवं विधायक श्री पुरंदर मिश्रा भी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि वर्ष के अंतिम 'मन की बात' में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने स्वदेशी अपनाने, देश में निर्मित उत्पादों के उपयोग को बढ़ावा देने तथा बिना चिकित्सकीय परामर्श के एंटीबायोटिक दवाओं के सेवन से बचने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर राष्ट्र को मार्गदर्शन दिया। उन्होंने कहा कि 'मन की बात' के माध्यम से प्रधानमंत्री निरंतर जनभागीदारी, नवाचार, आत्मनिर्भरता, स्वास्थ्य जागरूकता और राष्ट्र निर्माण के संकल्प को सशक्त बनाते हैं। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री श्री मोदी ने वर्ष 2025 को भारत के लिए उपलब्धियों से भरा गौरवशाली वर्ष बताया। उन्होंने देश की सुरक्षा, खेल, विज्ञान एवं अंतरिक्ष अनुसंधान, पर्यावरण संरक्षण तथा समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के क्षेत्र में हुई ऐतिहासिक सफलताओं का उल्लेख किया। उन्होंने खिलाड़ियों और पैरा-एथलीटों के उत्कृष्ट प्रदर्शन तथा युवाओं के नवाचारों और 'स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन' जैसे मंचों की सकारात्मक भूमिका को भी रेखांकित किया। मन की बात में प्रधानमंत्री ने मणिपुर के युवा मोइरांगथेम सेठ के सौर ऊर्जा से जुड़े प्रयासों की सराहना करते हुए 'पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना' का उल्लेख किया। साथ ही ओडिशा की स्वतंत्रता सेनानी पार्वती गिरि के योगदान को नमन करते हुए उन्होंने समाज सेवा और त्याग के मूल्यों को अपनाने का आह्वान किया।

फिर हुई पाकिस्तान की किरकिरी

ऑपरेशन सिंदूर के समय बंकरों में छिपी थी पाक सेना-जरदारी..

इस्लामाबाद/ एजेंसी

आतंकियों के पनाहगार पाकिस्तान को हमेशा से ही अपनी बुजदिल हरकतों के चलते वैश्विक मंच पर शर्मसार होना पड़ता है। ऐसे में एक बार फिर ऐसी स्थिति तब आई जब 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान अपनी ताकत का झूठा बखान करने वाला नापाक पड़ोसी पाकिस्तान की सेना और उसके हालात को लेकर नया और चौंकाने वाला खुलासा हुआ। ये खुलासा किसी और ने नहीं खुद पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने किया है।पाकिस्तानी राष्ट्रपति जरदारी ने बताया कि कैसे ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तानी सेना बंकर में छिपी हुई थी। एक सार्वजनिक कार्यक्रम को संबोधित करने के दौरान जरदारी ने यह स्वीकार किया कि तनाव के हालात में पाकिस्तान की सेना बंकरों में छिपी हुई थी और उन्हें खुद भी बंकर में रहने की सलाह दी गई थी। बता दें कि राष्ट्रपति जरदारी का यह बयान पाकिस्तान की कमजोर स्थिति को उजागर करता है। गंभीर आर्थिक संकट, बढ़ती महंगाई और कर्ज में डूबे पाकिस्तान के पास न तो मजबूत अर्थव्यवस्था है और न ही लंबी सैन्य तैयारी की क्षमता। ऐसे में पाकिस्तानी सेना के बंकरों में छिपने की बात यह दिखाती है कि पाकिस्तान अंदर से असुरक्षित और दबाव में है। पहलगाम हमले के जवाब में भारत ने 6-7 मई की दरमियानी रात को भारतीय सेना ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में आतंकी ठिकानों पर सटीक हमले किए थे। इस दौरान 9 ठिकानों को निशाना बनाया गया, जिनमें लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद के मुख्यालय और ट्रेनिंग सेंटर शामिल थे।

नए कैंप 7 दिन की ट्रेनिंग और तबाही!

पीओके में सक्रिय हुआ मौत का सौदागर हैरान कर देगा खूनी प्लान

नई दिल्ली। पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर से एक चौंकाने वाली खबर सामने आई है। जैश सरगना मसूद अजहर नए साल में एक नई साजिश रचने की तैयारी कर रहा है, जिसका मकसद दुनिया में डर का माहौल बनाना और जिहाद से दुनिया को डराना है। उसकी योजना है कि ज्यादा से ज्यादा आतंकवादियों की भर्ती की जाए, युवाओं को आतंकवादी बनाया जाए और पढ़े-लिखे लोगों का ब्रेनवॉश किया जाए। नए साल के लिए भी ऐसी ही तैयारियां चल रही हैं। मसूद का इरादा धर्म के नाम पर कट्टरपंथ फैलाना है। सबसे अहम बात यह है कि वह महिला आतंकवादियों का एक दस्ता बनाने और छोटे बच्चों को चलते-फिरते बम बनाने की योजना बना रहा है। ऐसी तैयारियां भी चल रही हैं। आतंकवादी कैंपों का तेज़ी से निर्माण हो रहा है। ये सिर्फ दावे या जानकारी नहीं हैं, बल्कि इसके कई वीडियों भी सामने आ चुके हैं। पीओके में आतंकवादी कैंप बनाए जा रहे हैं। निर्माण कार्य तेज़ी से चल रहा है। जबकि असलियत में यह निर्माण नहीं बल्कि विनाश की तैयारी है। दूसरी तरफ लश्कर-ए-तैयबा के आतंकवादी नए आतंकवादी कैंप बनाने के लिए दिन-रात काम कर रहे हैं। यह नए

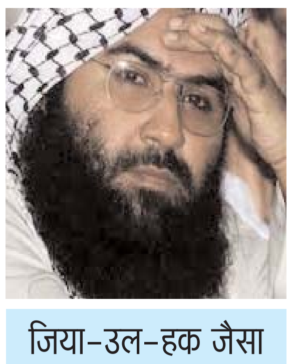

जिया-उल-हक जैसा होगा मुनीर रा हाल

पूरी कहानी यह है कि ब्रिटेन के ब्रैडफ़ोर्ड में पाकिस्तानी दूतावास के बाहर एक विरोध प्रदर्शन हो रहा था। इस विरोध प्रदर्शन के दौरान, एक महिला ने मुनीर के खिलाफ कार बम से हमले की धमकी दी, और इस धमकी का वीडियो वायरल हो रहा है। इस धमकी से पाकिस्तान डरा हुआ है। महिला प्रदर्शनकारी ने कहा कि मुनीर को कार बम से उड़ा दिया जाएगा। आसिम मुनीर का हश्र भी जिया-उल-हक जैसा ही होगा। यह ध्यान देने वाली बात है कि जिया-उल-हक की मौत एक विमान दुर्घटना में हुई थी, जो आज भी एक रहस्य बना हुआ है।

साल के लिए उनकी तैयारी है। लश्कर प्रमुख हाफ़िज़ सईद, जो इस समय पाकिस्तान में है। और पाकिस्तानी सरकार का वीआईपी मेहमान है, इस तरह से अपनी आतंकवादियों की सेना बढ़ा रहा है। सबसे अहम बात यह है।

हरियाणा के युवाओं के साथ नाइंसाफी पर भड़के आप राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी ढांडा

चंडीगढ़। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी अनुराग ढांडा ने हरियाणा की बीजेपी सरकार पर जोरदार हमला बोलते हुए कहा कि यह सरकार हरियाणा के युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रही है। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि बीजेपी ने हरियाणा को आउटसाइडर्स का स्वर्ग बना दिया है, जहां स्थानीय युवाओं को सिर्फ वोट के लिए इस्तेमाल किया जाता है, लेकिन जब नौकरी देने की बारी आती है तो उन्हें बाहर कर दिया जाता है। अनुराग ढांडा ने कहा कि हरियाणा के लड़के-लड़कियां सालों मेहनत करते हैं, पढ़ाई करते हैं।

देश की सुरक्षा पहले

तीन से चार फीट बर्फके बीच एलओसी पर जवानों का हौसला बुलंद,दुश्मनों के हर हरकत पर रखी कड़ी नजर

श्रीनगर। हाड़ कंपा देने वाली सर्दी...। दूर-दूर तक तीन से चार फीट तक जमी बर्फ..। ये नजारे हैं इन दिनों कुपवाड़ा और बांदीपोरा जिले में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के। हालात ऐसे कि हिम्मत जवाब दे दे। मौसम की चुनौतियों के बीच आतंकी घुसपैठ न कर सकें इसके लिए सेना और सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने गश्त बढ़ा दी है। जवानों का जोश भी हाई है। नियमित गश्त करने के साथ ही वे दुश्मन की हर हरकत पर नजर रख रहे हैं। चिल्लेकलां के बीच कश्मीर में

भीषण सर्दी की शुरुआत हो गई है। पहाड़ी क्षेत्रों विशेषकर नियंत्रण रेखा (एलओसी) से सटे पहाड़ों पर 3-4 बार बर्फबारी हो चुकी है। खूफिया सूचनाओं के अनुसार कश्मीर घाटी से सटी एलओसी के उस पार पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में विभिन्न लॉन्चिंग पैड पर करीब 150 आतंकवादी घुसपैठ करने के लिए तैयार बैठे हैं। सेना के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इसके कुपवाड़ा, बारामुला और बांदीपोरा जिलों में जवान हाई अलर्ट पर हैं। अधिकारी ने बताया कि बर्फबारी में हमारे जवानों की मूवमेंट ट्रैक न हो सके इसके लिए वे विशेष सफेद यूनिफॉर्म पहन रहे हैं। इससे वे दुश्मन को नजर नहीं आते । किसी भी गतिविधि का पता चलते ही तुरंत टीमें सक्रिय हो जाती हैं और क्रॉस चेक करने के साथ ही कार्रवाई करती हैं।

सोशल एक्टिविस्ट योगिता भयाना ने कांग्रेस नेता मुमताज पटेल और महिला एक्टिविस्ट्स के साथ मिलकर, उन्नाव रेप केस में दोषी पाए गए पूर्व बीजेपी विधायक कुलदीप सेंगर की जेल की सज़ा सस्पेंड किए जाने के खिलाफ नई दिल्ली में दिल्ली हाई कोर्ट के बाहर विरोध प्रदर्शन किया।

सत्ता कम है रीढ़ सीधी है

भाजपा के पास सत्ता तो है लेकिन सच्चाई नहीं है....

नई दिल्ली/ एजेंसी

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के 140वें स्थापना दिवस के ऐतिहासिक अवसर पर दिल्ली में राजनीतिक पारा गरमा गया। पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने इंदिरा भवन में आयोजित समारोह में भाजपा और मोदी सरकार पर करारा प्रहार किया। उन्होंने आलोचकों को कड़ा संदेश देते हुए कहा कि जो लोग सोचते हैं कांग्रेस खत्म हो गई है, वे गलतफहमी में हैं। खड़गे ने हुंकार भरते हुए कहा कि भले ही हमारे पास सत्ता कम हो, लेकिन कांग्रेस की रीढ़ आज भी सीधी है और हम अपने सिद्धांतों से कभी समझौता नहीं करेंगे। खड़गे ने अपने संबोधन में स्पष्ट किया कि कांग्रेस ने कभी भी सत्ता पाने के लिए सौदेबाजी नहीं की और न ही कभी संविधान, धर्मनिरपेक्षता और गरीबों के अधिकारों से कोई समझौता किया। उन्होंने भाजपा पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि जहां कांग्रेस देश को जोड़ने का काम करती है, वहीं भाजपा तोड़ने की राजनीति में विश्वास रखती है।

दिग्विजय सिंह के विचारों का शशि थरूर ने किया समर्थन

शशि थरूर ने कहा-संगठन को और मजबूत किया जाना चाहिए

नई दिल्ली/ एजेंसी

कांग्रेस मुख्यालय में रविवार को आयोजित पार्टी के 140वें स्थापना दिवस कार्यक्रम के दौरान शशि थरूर ने अपने पार्टी सहयोगी दिग्विजय सिंह के विचारों का समर्थन करते हुए कहा कि संगठन को मजबूत किया जाना चाहिए। कार्यक्रम के दौरान थरूर, पार्टी के इंदिरा भवन मुख्यालय में दिग्विजय सिंह के बगल में बैठे थे। दिग्विजय सिंह ने शनिवार को उस समय राजनीतिक हलचल मचा दी थी, जब उन्होंने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की संगठनात्मक ताकत की सराहना की। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की एक पुरानी तस्वीर साझा करते हुए कहा था कि किस तरह एक जमीनी कार्यकर्ता अपने नेताओं के चरणों में बैठकर सीखता हुआ मुख्यमंत्री और फिर प्रधानमंत्री बना। उन्होंने कांग्रेस संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने का मुद्दा भी उठाया और कहा कि सत्तारूढ़ भाजपा से मुकाबले और उसे सत्ता से हटाने के लिए यह बेहद जरूरी है। सिंह की इस टिप्पणी के एक दिन बाद जब थरूर से इस मुद्दे पर प्रतिक्रिया मांगी गई तो उन्होंने कहा, ''संगठन को मजबूत किया जाना चाहिए, इसमें कोई संदेह नहीं है।'' जब उनसे दिग्विजय सिंह के बगल में बैठने और दोनों के बीच इस विषय पर चर्चा होने के बारे में पूछा

गया तो थरूर ने कहा, ''हम आपस में बात करते रहते हैं, हम मित्र हैं और एक-दूसरे से बातचीत करते रहते हैं। उन्होंने आगे कहा, ''आज कांग्रेस का 140वां स्थापना दिवस है। यह पार्टी के लिए एक बहुत महत्वपूर्ण अवसर है। यह वह दिन है जब हम अपने गौरवशाली इतिहास और देश के लिए पार्टी के योगदान को याद करते हैं। थरूर ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''आज भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना की 140वीं वर्षगांठ है। यह वही संगठन है जिसने ब्रिटिश शासन से भारत की स्वतंत्रता की लड़ाई का नेतृत्व करने में निर्णायक भूमिका निभाई। उन्होंने लिखा, ''वर्ष 1885 में अपने पहले अधिवेशन से लेकर आज तक, कांग्रेस पार्टी देश की लोकतांत्रिक यात्रा और राजनीतिक विकास की एक मजबूत आधारशिला बनी हुई है। आज इंदिरा भवन में यह अवसर गंभीरता और आपसी सौहार्द के साथ मनाया गया। दिग्विजय सिंह के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा कि उनके बयान को पूरी संदर्भ (कॉण्टेक्स्ट) में समझा जाना चाहिए।

संक्षिप्त समाचार

विधायक ब्यास कश्यप ने किया ग्राम पेंडी (नवागढ़) सीसी रोड निर्माण का भूमिपूजन

जांजगीर-चांपा// समय दर्शन// विधानसभा क्षेत्र के विकास को गति देते हुए आज स्थानीय विधायक ब्यास कश्यप ने ग्राम पेण्ड्री (नवागढ़) में सीसी रोड निर्माण कार्य का विधिवत भूमिपूजन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि सड़कें किसी भी क्षेत्र के विकास की रीढ़ होती हैं और इस सड़क के निर्माण से स्थानीय नागरिकों को आवागमन में बड़ी सुविधा मिलेगी। विधायक ब्यास कश्यप ने बताया कि लगभग 7 लाख रूपये की लागत से बनने वाली इस सीसी रोड से खासकर बरसात के मौसम में होने वाली समस्याओं से निजात मिलेगी। उन्होंने कहा कि हमारी प्राथमिकता ग्रामीण व शहरी बुनियादी ढांचे को मजबूत करना है। भूमिपूजन के दौरान वैदिक मंत्रोच्चार के साथ नारियल फोड़कर कार्य की शुरुआत की गई। कार्यक्रम में जनपद पंचायत नवागढ़ के सदस्य सीमा श्रीकांत, नगर पंचायत नवागढ़ के पूर्व अध्यक्ष भूनेश्वर केशरवानी, पूर्व जिला पंचायत सदस्य गणेश राम साहू, सरपंच फूलेश पटेल, कुंती भरत सिंह, परदेशीराम कर्ष, नाथूराम कुर्रे, गंगाराम पटेल, फूलचंद पटेल, परमेश्वर साहू, जागेश महंत, भूषण साहू, तारू साहू, राजेश पटेल, हेमंत पटेल, नंदनी पटेल, एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे। स्थानीय नागरिकों ने सड़क निर्माण की सौगात के लिए विधायक का आभार व्यक्त किया और इसे क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया।

प्रदेश महामंत्री हरिनाथ खुटे ने ग्राम पंचायत कौवाताल में क्रिकेट मैच का उद्घाटन किया

सारंगढ़ (समय दर्शन)आज सारंगढ़ विकास खंड अंतर्गत ग्राम पंचायत कौवाताल में आयोजित क्रिकेट प्रतियोगिता का उद्घाटन प्रदेश महामंत्री भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा हरिनाथ खूटे के द्वारा किया गया, इस दौरान ग्राम पंचायत कौवताल (सारंगढ़) में आयोजित क्रिकेट प्रतियोगिता में भाग लेने दूर दूर से टीम पहुँची है। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप प्रदेश महामंत्री हरिनाथ खूटे, कार्यक्रम अध्यक्ष ग्राम पंचायत कौवाताल की सरपंच बहन शशि प्रभा ओमसागर रौतिया के द्वारा किया गया, साथ ही वरिष्ठ नेता जुगल तिवारी, डॉ मुनीलाल अनंत, वीरेंद्र कुर्रे, ओमकार तिवारी, सहित ग्राम पंचायत के पंच और आयोजन समिति के सदस्य मौजूद रहे।

सीईएस 2026: सैमसंग और गूगल जेमिनी के साथ शुरू होगा एआई विजन का नया दौर; बदल जाएगा आपके किचन का अनुभव

गुरुग्रामः भारत के भरोसेमंद कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड, सैमसंग ने आज अपने अगले बड़े कदम की घोषणा की। कंपनी सीईएस 2026 में किचन अप्लायंसेस की अपनी लेटेस्ट रेंज पेश करने जा रही है, जिसमें बीस्पोक एआई रेफ्रिजरेटर, ओटीआर माइक्रोवेव और स्लाइड-इन रेंज के बिल्कुल नए अवतार देखने को मिलेंगे। नई डिजाइन के साथ-साथ, इस बार का मुख्य आकर्षण गूगल जेमिनी और गूगल क्लाउड के सहयोग से तैयार किया गया विज़न-आधारित एआइफीचर होगा। यह तकनीक किचन के कामों को न सिर्फ आसान बनाएगी, बल्कि उन्हें पहले से कहीं ज्यादा स्मार्ट और हाइटेक बना देगी। सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स में डिजिटल अप्लायंसेस बिजनेस की आरएंडडी टीम के हेड और एग्जीक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट, जियोंग सेउंग मून ने कहा, किचन अप्लायंस मार्केट में विजन-आधारित एआई तकनीक को लाने और उसे बेहतर बनाने में सैमसंग हमेशा सबसे आगे रहा है। गूगल क्लाउड के साथ हमारी यह साझेदारी नवाचार के एक नए अध्याय की शुरुआत है। हमारा लक्ष्य इसी तरह की आधुनिक तकनीकों के जरिए आने वाले साल में अपने ग्राहकों के अनुभव को और भी शानदार बनाना है।

राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर का गरिमामय समापन

छात्र छात्राओं का सर्वांगीण विकास हमारा लक्ष्य-टीकेलाल साव

बसना(समय दर्शन)। स्व जयदेव सतपथी शासकीय महाविद्यालय में वर्ष भर विविध गतिविधियां संचालित होते रहते हैं।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ सुरेन्द्र कुमार साव के कुशल मार्गदर्शन एवं राष्ट्रीय सेवा योजना प्रभारी प्रधान की अथक प्रयास से अब शासकीय महाविद्यालय बसना में अनेकानेक रचनात्मक गतिविधियों के माध्यम से महाविद्यालयीन छात्र छात्राओं को प्रेरित किया जा रहा है, ताकि ये छात्र आगे चलकर महाविद्यालय के साथ समाज एवं राष्ट्र को गौरवान्वित कर सकें।

महाविद्यालय में समय समय पर आयोजित होने वाले खेल कूद ,साहित्यक,सांस्कृतिक कार्यक्रमो के अलावा सामाजिक एवं विषय आधारित विभागीय सभी क्रिया कलापों, पर्यावरण संरक्षण,पंच परिवर्तन,पौधरोपण, रक्तदान, नशामुक्ति अभियान,साईबर सुरक्षा,बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, जैसे समाज व राष्ट्र हित मे होने वाले तमाम रचनात्मक व सकारात्मक गतिविधियों को समेटे हुए शासकीय महाविद्यालय क्रमशः गतिमान है।

इसी तारतम्य में बीते दिनों शासकीय महाविद्यालय बसना के राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बाराडोली में सात दिवसीय शिविर सम्पन्न हुआ।

इस शिविर में महाविद्यालय के 45छात्र छात्राओं ने भाग लिया। प्रशिक्षक एवं के प्रधान ने बताया कि प्रतिदिन प्रातःकालीन सत्र मे 5से 6बजे योग प्राणायाम पश्चात 6:30से 7:30 तक खेल कूद,8 से8:30 तक स्वल्पाहार।

9बजे से10:30बजे तक ग्राम व आसपास का शैक्षणिक भ्रमण व सार्वजनिक स्थलों की साफ,सफाई ।

मध्यान्ह में भोजन पश्चात द्वितीय सत्र में साहित्यक सांस्कृतिक कार्यक्रमो का आयोजन, अखबार की सुर्खियों एवं देश दुनिया की खबरों पर चर्चा परिचर्चा , व्यक्ति एवं राष्ट्र निर्माण पर वाद विवाद, सुविचार प्रस्तुती आदि विषयों पर आधारित शारिरिक एवं नैतिक क्षिक्षाप्रद बौद्धिक चर्चा परिचर्चा। कार्यक्रम के छठवें दिन सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन हुआ।

इस दौरान सभी अतिथियों ने भारत माता,मां सरस्वती की पूजा कर दीप प्रज्ज्वलित किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि टीकेलाल साव ग्राम पंचायत कनेकेरा सरपंच एवं सांसद प्रतिनिधि, अध्यक्षता मोहित पटेल जनपद उपाध्यक्ष, विशिष्ट अतिथि कामेश बंजारा विधायक प्रतिनिधि नगर पंचायत बसना एवं पत्रकार संघ के अध्यक्ष सेवक दास दीवान, पत्रकार संघ के संभागीय प्रभारी अभय धृतलहरे, जानकी जीवन प्रधान, मिश्रा सर,सरपंच एवं गणमान्य जन उपस्थित रहे।

महाविद्यालय परिवार ने सभी अतिथियों का पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत किया।

प्राचार्य डॉ सुरेन्द्र साव ने स्वागत भाषण प्रस्तुत कर कार्यक्रम को गति प्रदान किया।

मुख्य अतिथि की आसंदी से सांसद प्रतिनिधि टीकेलाल साव एवं कार्यक्रम के अध्यक्ष मोहित साव ने सभी शिविरार्थी छात्र छात्राओं के स्वर्णिम भविष्य के लिए सभी को बधाई देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अभय धृतलहरे ने कहा कि, अपने बड़ी सोच को पूरा करने लगन और पक्का इरादा के साथ कड़ी मेहनत कर के सपने साकार किए जा सकते हैं।

आपके छात्र जीवन की बुनियाद पर ही भविष्य की ईमारत खड़ी होगी , इसलिए माता पिता, गुरु जन हमारे लिए जो त्याग बलिदान दे रहे हैं उसका कदर कर ,उनकी बातों पर अमल कर संस्कारों का खयाल रखते हुए हम बुलंदियों को छू सकते हैं। वैज्ञानिक ,डॉक्टर , इंजीनियर, बैरिस्टर, प्रोफेसर, बिजनेस मेन बनकर देश के श्रेष्ठ नागरिक का फर्ज अदा करना है।

राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर को संबोधित करते हुए सेवक दास दीवान प्रदेश अध्यक्ष पत्रकार कल्याण महासंघ छत्तीसगढ़ ने कहा कि समुदाय को समझना, सामाजिक एवं नागरिक जिम्मेदारी की भावना को विकसित करना। व्यक्तिगत और सामुदायिक समस्या का समाधान खोजना और नेतृत्व क्षमता व लोकतांत्रिक मूल्यों को प्राप्त करना। इसका लक्ष्य शिक्षा के माध्यम से सेवा के सिध्दांत पर छात्र छात्राओं के व्यक्तित्व का विकास करना। राष्ट्रीय सेवा योजना का शुभारंभ महात्मा गांधी के जन्म जयंती शताब्दी वर्ष 1969 में किया गया। राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर से शहर से गांव की ओर आकर सेवा का कार्य करते हुए एक आनंद की अनुभूति होती है इससे आत्म संतुष्टि मिलती है। कैंपस और समुदाय के बीच संबंध स्थापित करना जिसका आदर्श मैं नहीं, बल्कि आप है।उस समुदाय को जानना जिसमें स्वयं सेवक काम करते हैं।

शिविर के समापन दिवस पर गरिमामय वातावरण में सांस्कृतिक कार्यक्रम की छटा बिखरी जब महाविद्यालयीन छात्र छात्राओं ने एक से बढ़कर एक सामुहिक,युगल व एकल नृत्य,गीत एवं एकांकी तथा प्रहसन व कविताओं की प्रस्तुति दी।

इस दौरान महाविद्यालय परिवार बसना के प्राचार्य डॉ सुरेन्द्र साव, रा से यो प्रभारी एन के प्रधान,

दामिनी साव, मंदाकिनी सिधार,संतोष धृतलहरे,निधि जोशी आरती साव,विजय कठाने अजय जलक्षत्रीय,गितिका प्रधान,दीपक साहू एवं

रा से यो के दल नायक ललित टण्डन, गोमती जगत,सुमित अग्रवाल,केवल दास,बादल बेहरा एवं छात्र छात्राएं तथा ग्रामवासी उपस्थित रहे।

अटूट विश्वास है तो भगवान स्थिति हर में अपने भक्तो की रक्षा करते है पंडित नागेंद्र पुरुषोत्तम चतुर्वेदी

जांजगीर //समय दर्शन //-- भंवरमाल में बाबूलाल बरेठ निवास में चल रहे श्रीमद्भागवत कथा ज्ञानयज्ञ के छठवें दिन कथावाचक पं नागेद्र पुरूषोत्तम चर्तुवेदी ने बहुत ही सुन्दर श्रीकृष्ण रक्खमणी के विवाह कथा का वर्णन किया कार्यक्रम के दौरान कृष्ण रूक्खमणी विवाह से जुड़ी मनोहारी झांकी प्रस्तुत किया गया जिसे देख पूरा पंडाल श्रीकृष्ण के जयकारे से गुंजाय उठा ।भजन गीतो से सुरो ने सभी श्रोता झूमने लगा कथा वाचक राजेन्द्र कहा कि भगवान पर अटूट विश्वास होना चाहिए यदि अटूट विश्वास है तो भगवान हर स्थिति में अपने भक्तों की रक्षा करता है। कथावाचक पं नागेंद्र ने कहा कि गोपियों ने भगवान श्रीकृष्ण को उन्हें पति रूप में पाने की इच्छा प्रकट की भगवान श्रीकृष्ण ने गोपियों की इस कामना को पूरी करने का वचन दिया अपने वचन को पूरा करने के लिए भगवान ने महारास का आयोजन किया इसके लिए शरदपूर्णिमा की रात को यमुना तट पर गोपियों को मिलने के लिए कहा गया सभी गोपियां सजधज कर नियत समय पर यमुना तट पर पहुंच ग ई कृष्ण की बांसुरी की तर्ज धुन सुनकर सभी गोपियां अपनी सुध बुध खोकर श्रीकृष्ण के। पास पहुंच ग ई ।उन सभी गोपियां के मन में कृष्ण के नजदीक जाने उनसे प्रेम करने का भाव तो जागा लेकिन यह पूरी तरह से वासना रहित था इसके बाद भगवान ने रास आरंभ किया गया कि वृक्षवन स्थित निधिवन ही वन स्थान है जहां श्रीकृष्ण ने महारास रचाया था यहां भागवन ने एक अदभूत लीला दिखाई थी जितनी गोपियां उतने ही श्रीकृष्ण के प्रति रूप प्रकट हो गए सभी गोपियो को उनका कृष्ण मिल गया और दिव्य नृताव प्रेमानंद शुरू हुआ रक्खमणी विवाह का वर्णन करते हुए कहा कि भगवान श्रीकृष्ण सभी राजाओं को हराकर विदर्भ की राजकुमारी रूक्खमणी को व्दारिका में लाकर उनका विधिविधान पूर्वक पाणिग्रहण कराया गया मौके पर आयोजन बाबूलाल बरेठ उर्मिला बरेठ की ओर से आकर्षक वेशभूषा में श्रीकृष्ण रूक्खमणी विवाह की झांकी प्रस्तुत कर विवाह संस्कार की रस्मों को पूरा किया गया कथा के साथ साथ भजन संगीत भी प्रस्तुत किया गया इस सात दिवसीय भागवत कथा सफल पूर्वक संचालन के लिए आयोजन बरेठ परिवार ने उनके सहयोग के लिए आयोजन परिवार ने सभी का योगदान सराहनीय रहा है* ? ?देर रात तक भक्तों का माहौल* ? ? कथा के दौरान संगीत भजन गीत देर रात तक माहौल भक्तिमय बना रहा मुझे श्याम सहारा भजन सुन सभी झूमने लगा और और पडाल में भिरी भीड़ उमड़ पड़ी जय घोष से वातावरण गुंजायमान होता रहा। आयोजन ने सभी के प्रति धन्यवाद आभार व्यक्त किया।इस मौके पर यजमान बाबूलाल बरेठ उर्मिला बरेठ कमलकिशोर बरेठ ऐश्वर्या बरेठ नंदकिशोर बरेठ दुर्गेश्वरी विमल किशोर बरेठ वर्षा बरेठ सुरेश कुमार बरेठ राजजकुमारी श्रीमती मुकेश कुमार अनिता सनतकुमार सुशीला सुरेश चंद मंजू कर्ष राजकमल कर्ष रजनी शुभम हर्षित सौरभ अभय शुभम बरेठ गुलजार चांदनी समयलाल मनोरमा वीना हर्षकांत रजक प्रभा डिपल दामिनी पूनम कुणाल सुमीत राखी सरिता कर्ष चंदन कर्ष दूजराम बरेठ संतकुमार बरेठ केशव बरेठ भूपेंद्र करन लक्की महेश चंद्रप्रकाश साहू मनीष अमित शत्रुघन यमन बरेठ शिवेंद्र अमारू

धान खरीदी में पारदर्शिता और किसान हित को सर्वोच्च प्राथमिकता – कलेक्टर

कलेक्टर ने ली नोडल अधिकारियों, खरीद केंद्र प्रभारियों एवं ऑपरेटरों की बैठक

पी.व्ही. ऐप एवं सतर्कता ऐप में जानकारी दर्ज करते समय विशेष सावधानी बरतने के दिए निर्देश

जांजगीर-चांपा/ कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे ने जिले में धान खरीदी व्यवस्था को और अधिक सुचारू, पारदर्शी एवं त्रुटिरहित बनाने के उद्देश्य से जिला ऑडिटोरियम, जांजगीर में खरीद केंद्र प्रभारियों, ऑपरेटरों सहित नोडल अधिकारियों की बैठक ली।

बैठक में कलेक्टर श्री महोबे ने पी.व्ही. ऐप एवं सतर्कता ऐप में जानकारी दर्ज करते समय विशेष सावधानी बरतने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि धान खरीदी से संबंधित सभी प्रविष्टियाँ समय पर, सही एवं पूर्ण रूप से दर्ज की जाएँ, ताकि किसी भी प्रकार की तकनीकी त्रुटि की संभावना न रहे। कलेक्टर ने कहा कि ऐप में गलत या अपूर्ण जानकारी से किसानों को अनावश्यक परेशानी का सामना करना पड़ सकता है, इसलिए सभी जिम्मेदार अधिकारी अपने-अपने दायित्वों का गंभीरता से निर्वहन करें। उन्होंने धान खरीदी केंद्रों पर नमी परीक्षण, तौल, भुगतान प्रक्रिया एवं टोकन व्यवस्था को शासन द्वारा निर्धारित मानकों के अनुरूप संचालित करने के निर्देश दिए।

बैठक में ऐप संचालन, डेटा एंट्री, त्रुटि सुधार तथा सतर्कता संबंधी प्रावधानों की विस्तार से जानकारी दी गई। अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि धान खरीदी के दौरान पारदर्शिता और किसान हित को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। साथ ही एसडीएम एवं तहसीलदार को रकबा समर्पण का नियमित मॉनिटरिंग करने के लिए कहा गया।

कलेक्टर ने सभी समिति प्रबंधकों को स्पष्ट निर्देश दिए कि शासन द्वारा निर्धारित वजन के अनुसार ही धान की तौलाई की जाए, अन्यथा संबंधितों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि अनाधिकृत धान खरीदी किसी भी स्थिति में केंद्रों में नहीं होनी चाहिए तथा धान का सत्यापन पूरी जिम्मेदारी के साथ किया जाए। उन्होंने कहा कि धान खरीदी में किसी भी प्रकार की लापरवाही करने पर संबंधितों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

बैठक में अपर कलेक्टर श्री आर.के. तंबोली, जिला खाद्य अधिकारी श्री कौशल साहू, सीसीबी नोडल श्री अमित साहू, डीएमओ श्री रमेश लहरे, सभी एसडीएम, धान खरीदी के नोडल अधिकारी एवं प्रभारी, तहसीलदार, नायब तहसीलदार, पटवारी, समिति प्रबंधक, कृषि विस्तार अधिकारी, डेटा एंट्री ऑपरेटर सहित अन्य संबंधित अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

बसना पिथौरा सरायपाली सहित महासमुन्द जिले से दलालों के माध्यम से मजदूरों का पलायन बदस्तूर जारी

केरल में छत्तीसगढ़ के अप्रवासी मजदूर की मौत पर केंद्र व राज्य सरकार से एक करोड़ मुआवजा की मांग

प्रगतिशील छत्तीसगढ़ सतनामी समाज ने माबलिंचिग व पलायन को लेकर राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, राज्यपाल ,केरल व छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

महासमुन्द (समय दर्शन)। महासमुन्द जिले के सभी विकासखण्डो से हजारों की संख्या में मजदूरों का पलायन बदस्तूर जारी है।

जिसमें बसना,पिथौरा, सरायपाली के मजदूर दलाल आये दिन यहां से सीधे यू पी तक चलने वाली बसों में भरकर मजदूरों को ले जाया जा रहा है। प्रकाश में आया है, मजदूर दलालों द्वारा कई बार मजदूरों पर जुल्म ज्यादती भी ढा रहे हैं।

बता दें कि छत्तीसगढ़ के मजदूर की केरल में मामलिंचिग से हुई मौत पर प्रगतिशील छत्तीसगढ़ सतनामी समाज ने राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, छत्तीसगढ़ के राज्यपाल, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के साथ ही केरल के मुख्यमंत्री के नाम से डिप्टी कलेक्टर महासमुंद को ज्ञापन सौंपकर मृतक के परिजन को एक करोड़ की मुआवजा व पलायन रोकने के साथ ही बाहरी राज्यों में काम कर रहे मजदूरों की सुरक्षा हेतु एडवाइजरी जारी करने की मांग किया गया।

मजदूर दलाल के माध्यम से मृतक दूसरे राज्य गया, जहां उसकी मौत हुई ?- ज्ञापन में बताया गया है कि छत्तीसगढ़ राज्य के सक्ति जिला निवासी मजदूर रामनारायण बघेल जो मजदूरी करने के लिए केरल गए थे जिनके साथ 17 दिसम्बर को अट्टापल्लम क्षेत्र में बंग्लादेशी होने के शक में नफरती व उन्मादी भीड़ ने मारपीट की जिसके कारण उनकी मौत हो गई। केरल पुलिस ने वारदात में शामिल सभी आरोपियों को गिरफ्तारी अभी तक नहीं कर पाई है। वारदात में शामिल सभी की गिरफ्तारी शीघ्र किया जाये तथा केरल सरकार के अलावा केंद्र व छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा मृतक के परिजन को पचास-पचास लाख की मुआवजा देने के साथ छत्तीसगढ़ के अप्रवासी मजदुरो की पलायन रोकने व उनको राज्य के अंदर ही रोजगार मुहैया कराने की पहल करे।

मजदूर दलाल के माध्यम से मृतक अन्य प्रदेश गया जहां उसकी मौत हुई ?

साथ ही अन्य राज्यों में जाकर काम करने वालों को सुरक्षा मुहैया कराने एडवाइजरी जारी करने की जरूरत बताया।

चुंकि छत्तीसगढ़ से बाहर जाने वाले कमजोर आर्थिक आय वाली अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति के गरीब मजदूर ज्यादा है।

दुर्घटना में मुआवजा राशि बढ़ाने की मांग- छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा बहुत कम पांच लाख की मुआवजा राशि देने की घोषणा की गई है। जबकि केरल सरकार द्वारा 30 लाख राशि देने की घोषणा की गई है। जबकि छत्तीसगढ़ सरकार की अपने राज्य की मजदुरो को राज्य में ही काम दिलाने व उनके हितों की सरंक्षण करने की नैतिक जिम्मेदारी है।

ऐसे में मजदूर दलालों पर भी सख्त कार्रवाही होनी चाहिए।

वहीं वर्तमान में देश भर में जाति और धर्म , क्षेत्रवाद के नाम से कट्टरपंथीयो द्वारा एक दुषित वातावरण निर्मित किया जा रहा है जो देश की एकता और अखंडता, सांस्कृतिक विविधता के लिए बड़ी खतरा है।

मजदूरों का शोषण अब तलक होगा बंद- रामनारायण के मौत की मुख्य वजह ऐसे नफरत फैलाने वाले लोग भी हैं जो भोले भाले लोगों को धर्म, जाति, क्षेत्र वाद के नाम से भड़काकर अपनी स्वार्थ पूर्ति करते हैं एक राज्य से दुसरे राज्य बहला फुसलाकर काम करने ले जाते है, जहां उनका शोषण होता है।

इसलिए नफरती भाषण देने वाले व देश में माहौल बिगाड़ने वालों के खिलाफ हर राज्य की पुलिस कड़ाई से पालन करने की पहल करें जिससे देश के कमजोर गरीब मजदुर व खासकर अनुसूचित जाति वर्ग के लोगों में सुरक्षा का वातावरण निर्मित हो।

ज्ञापन सौंपने वालों में प्रदेश सहसचिव दिनेश बंजारे, जिलाध्यक्ष विजय बंजारे, जिला सचिव रेखराज बघेल, ब्लॉक अध्यक्ष चित्र कुमार भारती है।

संक्षिप्त समाचार

शुक्र है कि अब पहले जैसी नहीं रही परिस्थितयां : किसान पूरण

रायपुर। पोड़ी उपरोड़ा विकासखंड के ग्राम सिरकी में रहने वाले 90 वर्षीय किसान पूरण सिंह आज भी खेती-किसानी में सक्रिय हैं। बचपन से ही खेतों में मेहनत करते हुए उन्होंने अपनी पूरी उम्र इसी परंपरागत कृषि जीवन को समर्पित कर दी। 5 एकड़ जमीन पर खेती करने वाले पूरण सिंह जानते हैं कि सिंचाई साधन न होने के बावजूद धान का उत्पादन करना कितना कठिन काम होता है। वर्षों तक उन्होंने विपरीत परिस्थितियों में मेहनत कर फसल खड़ी की, लेकिन सबसे बड़ी चुनौती थी फसल को बेच पाना। वो समय याद करते हुए पूरण सिंह बताते हैं कि पहले उपार्जन केंद्रों में किसानों के लिए कोई विशेष व्यवस्था नहीं थी। धान बेचने बैलगाड़ियों से केंद्र तक जाना पड़ता था और कई-कई दिनों तक वहीं डेरा डालकर इंतज़ार करना पड़ता था। फसल बेच भी लेते थे तो उचित कीमत नहीं मिल पाती थी, जिससे उनकी मेहनत का पूरा मूल्य उन्हें नहीं मिल पाता था। लेकिन अब हालात बदल चुके हैं। पूरण सिंह खुशी के साथ बताते है कि अब टोकन घर बैठे मिल जाता है। उपार्जन केंद्र में पेयजल, बैठने की व्यवस्था, ठहरने की जगहसब कुछ है। किसानों को सम्मान मिला है। वे कहते हैं कि अब धान का समर्थन मूल्य मिलने के साथ ही अंतर राशि भी सरकार द्वारा दी जा रही है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की सरकार ने किसानों के कर्ज माफ किए और बकाया बोनस की राशि भी प्रदान की, जिससे किसानों को बड़ी राहत मिली है। आज 90 वर्ष की उम्र में भी किसान पूरण सिंह अपने अनुभव, मेहनत और बदली हुई व्यवस्था के सहारे खेती को नई ऊर्जा के साथ जारी रखे हुए हैं।

दिव्यांग श्री महेश राम टंडन का आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ते कदम

रायपुर। जिले के विकासखण्ड पिथौरा अंतर्गग्राम पंडरीखार निवासी श्री महेश राम टंडन 45 वर्ष की आयु में 80 प्रतिशत अस्थि बाधित दिव्यांग हैं। दिव्यांगता के कारण उन्हें कहीं भी नियमित काम नहीं मिल पा रहा था, जिससे परिवार के भरण-पोषण में गंभीर कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। सीमित साधनों और आवागमन की समस्या के कारण उनकी आजीविका के विकल्प भी बहुत कम थे। श्री महेश राम टंडने बताते है कि ऐसे समय में समाज कल्याण विभाग द्वारा उन्हें मोटराईज्ड ट्रायसायकल प्रदान की गई। यह साधन उनके जीवन में बदलाव का माध्यम बना। मोटराईज्ड ट्रायसायकल मिलने के बाद उनके लिए आने-जाने की समस्या काफी हद तक समाप्त हो गई। अब वे आसानी से बाजार जाकर किराना सामान ला सकते हैं और अपने घर पर ही छोटी दुकान के रूप में बिक्री करने लगे हैं। इससे उनकी आमदनी में निरंतर वृद्धि हुई है। नियमित आय होने से न केवल उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत हुई, बल्कि आत्मविश्वास भी बढ़ा है। आज श्री महेश राम टंडन अपने परिवार का भरण-पोषण सम्मानपूर्वक कर रहे हैं और आत्मनिर्भर नागरिक के रूप में पहचान बना चुके हैं। इस सहायता ने उन्हें नई दिशा दी है और आत्मनिर्भरता की राह पर आगे बढ़ाया है। इसके लिए उन्होंने राज्य शासन एवं जिला प्रशासन तथा समाज कल्याण विभाग का धन्यवाद ज्ञापित किया है।

सुकमा में धान खरीदी व्यवस्था सुदृढ़, किसानों को मिल रही सुविधा

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के मंशानुरूप सुकमा जिले में धान खरीदी व्यवस्था को पूरी पारदर्शिता एवं सुचारू रूप से संचालित किया जा रहा है। कलेक्टर अमित कुमार के मार्गदर्शन में जिले के सभी 25 धान उपार्जन केंद्रों के माध्यम से किसानों से धान की खरीदी नियमित एवं व्यवस्थित रूप से की जा रही है।किसानों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए प्रशासन द्वारा हर स्तर पर विशेष व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं। धान विक्रय के साथ-साथ किसानों द्वारा रकबा समर्पण की प्रक्रिया भी तेजी से आगे बढ़ रही है। बीते तीन दिनों में 171 किसानों द्वारा 125.92 हेक्टेयर रकबा समर्पित किया जाना इस बात का प्रमाण है कि किसान शासन-प्रशासन की व्यवस्था पर भरोसा जता रहे हैं। सबसे अधिक रकबा समर्पण धान उपार्जन केंद्र कोंटा में दर्ज किया गया है।अवैध धान की आवक पर रोक लगाने के लिए जिला प्रशासन द्वारा सख्त निगरानी तंत्र स्थापित किया गया है।

छत्तीसगढ़ में कई इलाकों में शीतलहर के आसार, तापमान में और गिरावट की संभावना

रायपुर। छत्तीसगढ़ में ठंड का असर लगातार गहराता जा रहा है। मौसम विभाग के अनुसार प्रदेश के कुछ हिस्सों में शीतलहर का असर दर्ज किया गया, वहीं आने वाले तीन दिनों में न्यूनतम तापमान में 1 से 2 डिग्री सेल्सियस तक और गिरावट की संभावना जताई गई है। खासकर उत्तर और मध्य छत्तीसगढ़ के कई क्षेत्रों में शीतलहर की स्थिति बनने के संकेत मिले हैं। मौसम विभाग के मुताबिक दुर्ग जिले के कुछ स्थानों पर शीतलहर चली। वहीं अधिकतम और न्यूनतम तापमान में भी बड़ा अंतर देखने को मिला।

सर्वमंगला जोन के 05 वार्डो को मिली 01 करोड़ 55 लाख रू.के विकास कार्यो की सौगात

सुशासन व भ्रष्टाचार मुक्त प्रशासन देने का कार्य कर रही राज्य सरकार

- सर्वमंगला जोन के 05 वार्डो को मिली 01 करोड़ 55 लाख रू.के विकास कार्यो की सौगात
- उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन एवं महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत ने किया विकास कार्यो का भूमिपूजन

रायपुर/ संवाददाता

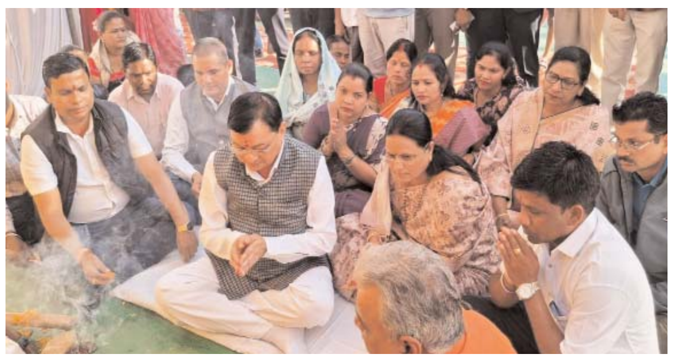

नगर पालिक निगम कोरबा के सर्वमंगला नगर जोनांतर्गत 05 वार्डो को 01 करोड़ 55 लाख रूपये के विकास कार्यो की सौगात प्राप्त हुई। प्रदेश के उद्योग, श्रम, आबकारी व सार्वजनिक उपक्रम मंत्री श्री लखनलाल देवांगन के मुख्य आतिथ्य एवं महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत की अध्यक्षता में आयोजित इन विकास कार्यो का भूमिपूजन व लोकार्पण किया गया। इनमें से 01 करोड़ 10 लाख रूपये के विकास कार्यो का भूमिपूजन व 44 लाख 29 हजार रूपये के विकास कार्यो का लोकार्पण सम्पन्न हुआ। इस मौके पर सभापति श्री नूतन सिंह ठाकुर सहित निगम के पार्षदगण, जनप्रतिनिधिगण विशेष रूप से उपस्थित थे। नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा वार्ड क्र. 64 सर्वमंगलानगर जोन अंतर्गत स्थित प्राथमिकता शाला इमलीछापर में 31 लाख 30 हजार रूपये की लागत से नवीन भवन का निर्माण कार्य, वार्ड क्र. 65 आनंद नगर भैरोताल में लोहारघाट खोलर नदी के किनारे सार्वजनिक उपयोग हेतु 15 लाख रूपये की लागत से मंगल भवन निर्माण, वार्ड क्र. 66 अंतर्गत सेन्द्री दफाई से रेलवे दफाई तक 15 लाख रूपये की लागत से सी.सी. रोड निर्माण कार्य, वार्ड क्र. 61 बरमपुर शिव मंदिर से ठाकुरदिया देव स्थल चैक तक 20 लाख रूपये की लागत से सी.सी. रोड एवं नाली निर्माण कार्य, वार्ड क्र. 61 कुसमुण्डा मिनी स्टेडियम वैशाली नगर में 10 लाख रूपये की लागत से सांस्कृतिक मंच निर्माण कार्य, वार्ड क्र. 62 अंतर्गत सर्वमंगला नगर दुरपा मंझवार मोहल्ला में 10 लाख रूपये की लागत से मंगल भवन एवं नाली निर्माण कार्य, नगर पालिक निगम क्षेत्रांतर्गत सर्वमंगला नगर जोन अंतर्गत 03 शासकीय स्कूलों में 09 लाख रूपये की लागत से किचन शेड निर्माण कार्य का भूमिपूजन उद्योग मंत्री श्री लखनलाल देवांगन एवं महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत के द्वारा किया गया। इसी प्रकार वार्ड क्र. 65 अंतर्गत कपाटमुड़ा में स्थित शासकीय प्राथमिक शाला भवन में 16 लाख 58 हजार रूपये की लागत से नवीन भवन का निर्माण कराया गया है, सर्वमंगला मंदिर के पास स्वच्छ भारत मिशन 2.0 अंतर्गत 17 लाख 71 हजार रूपये की लागत से आकांक्षीय शौचालय का निर्माण कार्य भी किया गया है तथा वार्ड क्र. 62 अंतर्गत बजरंग चैक छोटे दशहरा मैदान के पास 10 लाख रूपये की लागत से सामुदायिक भवन का निर्माण हुआ है, इन तीनों कार्यो का लोकार्पण भी उद्योग मंत्री श्री देवांगन व महापौर श्रीमती राजपूत के करकमलों से सम्पन्न हुआ।

प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना से बदली महिलाओं की रसोई धुएं से मिली मुक्ति.......

- सांस की दिक्कत और बच्चों के स्वास्थ्य पर पड़ने वाले दुष्प्रभाव उनकी रोजमर्रा की मजबूरी थे

रायपुर/ संवाददाता

प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत आज चार पात्र हितग्राहियों को नि:शुल्क एलपीजी गैस सिलेंडर वितरित किए गए। सिलेंडर मिलते ही महिलाओं के चेहरों पर सुकून और खुशी साफ झलक उठी। यह खुशी केवल सुविधा मिलने की नहीं, बल्कि वर्षों से झेली जा रही कठिनाइयों से मुक्ति की थी। कच्चे मकानों में जीवन यापन कर रहीं राजेश्वरी साहू, मीना यादव, परमेश्वरी वर्मा और पावर्ती के लिए यह दिन सपने के साकार होने जैसा रहा। अब तक चूल्हे पर खाना बनाते समय धुएं से आंखों में जलन, सांस की दिक्कत और बच्चों के स्वास्थ्य पर पड़ने वाले दुष्प्रभाव उनकी रोजमर्रा की मजबूरी थे। उज्ज्वला योजना के अंतर्गत स्वच्छ रसोई ईंधन उपलब्ध होने से न केवल रसोई का वातावरण बदला है, बल्कि घर-परिवार के स्वास्थ्य पर भी सकारात्मक असर पड़ा है। मेड़ेसरा निवासी श्रीमती राजेश्वरी साहू ने बताया कि नि:शुल्क एलपीजी कनेक्शन मिलने से आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की महिलाओं को सुरक्षित, स्वच्छ और किफायती ईंधन सुलभ हुआ है। आवेदन प्रक्रिया सरल रही केवल पासपोर्ट आकार का फोटो, निवास प्रमाण पत्र, राशन कार्ड, आधार कार्ड और बैंक खाते का विवरण जमा कर बिना किसी जमा राशि के कनेक्शन प्राप्त हुआ। इससे महिलाओं पर किसी तरह का आर्थिक बोझ नहीं पड़ा और घरेलू श्रम के साथ समय की भी बचत हो रही है। रवेली निवासी श्रीमती परमेश्वरी वर्मा ने कहा कि पहले चूल्हे के धुएं से छोटे बच्चों को भी परेशानी होती थी। अब गैस सिलेंडर मिलने से बच्चों को धुएं से राहत मिलेगी और भोजन जल्दी व सुरक्षित तरीके से बन सकेगा।

छग से राज्यसभा में जाने राजनीतिक दलों में मंथन का दौर अब शुरू हुआ

- कांग्रेस के केटीएस तुलसी और रंजीत रंजन का कार्यकाल हो रहा समाप्त
- भाजपा समर्थित प्रत्याशी को मिलेगी जीत

रायपुर/ संवाददाता

संसद के उच्च सदन कहे जाने वाले राज्य सभा चुनाव को लेकर अब राजनीतिक दलों में मंथन शुरू हो गया है। देश के कई ख्यातिनाम राजनेताओं की तकदीर का फैसला होगा। वहीं छग में राज्य सभा सांसद केटीएस तुलसी एवं रंजीत रंजन का भी कार्यकाल समाप्त होने जा रहा है। छग में भाजपा का बहुमत है। जिसके चलते अब कई महत्वाकांक्षी नेता राज्यसभा में जाने के लिए प्रयासरत है। मिली जानकारी के अनुसार उच्च सदन कहें जाने वाले राज्य सभा के 2025 26 में कई सांसदों का कार्यकाल समाप्त हो रहा है। जिन राज्यों में राज्यसभा के चुनाव होने वाले है वे है बिहार, महाराष्ट्र, छग तथा पंजाब वहीं राष्ट्रीय दलों में विस चुनाव को लेकर भी कवायद तेज हो गई है। पश्चिम बंगाल पांडूचेरी सहित विस चुनाव अगले वर्ष होने वाले है। भाजपा में बंगाल को टारगेट में रखा हुआ है। महाराष्ट्र के राज्यसभा के सांसद शरद पवार एवं उपाध्यक्ष पीके हरिवंश का कार्यकाल समाप्त हो रहा है इसके अलावा अरविंद केजरीवाल पंजाब से राज्यसभा में जाने के लिए कोशिश कर रहा है बिहार में इस समय भाजपा का बहुमत है इसलिए फिल्म स्टार पवन सिंह सहित अन्य महत्वाकांक्षी नेता राज्य सभा में जाने के लिए कोशिश करेंगे। छग में अधिवक्ता केटीएस तुलसी तथा रंजीत रंजन का कार्यकाल भी अगले वर्ष समाप्त होने वाला है। छग में भाजपा का बहूमत है।

पीएम सूर्य घर योजना को लेकर कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने ली समीक्षा बैठक...........

- प्रधानमंत्री जी की इस महत्वाकांक्षी योजना के क्रियान्वयन में किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी

रायपुर/ संवाददाता

पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के सुचारु एवं प्रभावी क्रियान्वयन हेतु कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने कलेक्टोरेट सभाकक्ष में साप्ताहिक समीक्षा बैठक ली। बैठक में सीएसपीडीसीएल, बैंक प्रतिनिधि, वेंडर एवं संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। कलेक्टर डॉ. सिंह ने योजना की वर्तमान प्रगति की समीक्षा करते हुए बैंकों को आवेदन सोर्सिंग बढ़ाने तथा लंबित प्रकरणों के शीघ्र निराकरण के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पात्र हितग्राहियों को बिना किसी बाधा के समय पर योजना का लाभ मिलना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने निर्देशित किया कि किसी भी आवेदन को बिना ठोस कारण के अस्वीकृत न किया जाए तथा रिजेक्शन की स्थिति में आवेदक को कारण की जानकारी अनिवार्य रूप से दी जाए। कलेक्टर ने बैंक, सीएसपीडीसीएल एवं वेंडरों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने पर बल देते हुए कहा कि इससे सोलर पैनल इंस्टालेशन की प्रक्रिया तेज होगी और गुणवत्ता भी सुनिश्चित होगी। उन्होंने योजना की स्वीकृति, डिस्बर्समेंट एवं इंस्टालेशन की साप्ताहिक समीक्षा जारी रखने के निर्देश दिए। बैठक के दौरान आईडीबीआई बैंक से संबंधित शिकायत पर कलेक्टर डॉ सिंह ने तत्काल संज्ञान लेते हुए संबंधित शाखा अधिकारी से दूरभाष पर तत्काल बात की तथा आम नागरिकों को शीघ्र एवं सरल प्रक्रिया से लाभ दिलाने के निर्देश दिए। उन्होंने बैंकों को प्रति शाखा न्यूनतम 20 नए आवेदन सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री की इस महत्वाकांक्षी योजना के क्रियान्वयन में किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जाए कि पूरी प्रक्रिया के दौरान आम नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

प्रदेश में कानून व्यवस्था बदहाल

भाजपा के सुशासन की सरकार में धधक रहा छत्तीसगढ़:विनोद चंद्राकर

रायपुर। संवाददाता

पूर्व संसदीय सचिव छ.ग. शासन व महासमुंद के पूर्व विधायक विनोद सेवनलाल चंद्राकर ने कहा कि भाजपा के कथित सुशासन की सरकार में आज छत्तीसगढ़ धधक रहा है। छत्तीसगढ़ में कानून व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है। पिछले 2 साल के कार्यकाल में ही भाजपा ने राज्य को पूरी तरह उद्योगपतियों के हवाले कर दिया है। स्थानीय युवाओं को रोजगार नहीं मिल रहा, जिससे युवा वर्ग हताश व निराश होकर अपराध की ओर बढ़ रहे हैं। प्रदेश में नशे का अवैध कारोबार चरम पर है। राजधानी में ड्रग्स माफिया सक्रिय हो गए हैं। धर्मांतरण के नाम प्रदेश जल रहा है, हिंसक प्रदर्शन, तोड़फोड़ जैसी घटनाएं हो रही है, और इन घटनाओं पर अंकुश लगा पाने में साय सरकार पूरी तरह विफल साबित हो हुई है। छत्तीसगढ़ पूरी तरह अपराध का गढ़ बनकर रह गया है। श्री चंद्राकर ने कहा कि मोदी की गारंटी व साय का सुशासन केवल नाम का रह गया है। आज कोई भी वर्ग चाहे वह किसान, मजदूर, नौजवान, व्यापारी और खास कर महिलाएं सुरक्षित नहीं है। छोटी बच्ची से लेकर बुजुर्ग महिला तक सुरक्षित नहीं है। राजधानी सहित प्रदेशभर में अनाचार की घटनाओं में वृद्धि हो रही है। इन घटनाओं से भाजपा सरकार जनता का भरोसा पूरी तरह खो चुकी है और प्रदेश में सरकार खिलाफ भारी जनाक्रोश है। 2023 की चुनाव में मोदी की गारंटी के नाम पर जनता से वोट लिया गया, लेकिन दो वर्षों में एक भी गारंटी पूरी नहीं की गई। किसान, युवा, महिलाएं, कर्मचारी और आदिवासी सभी वर्ग सरकार की नीतियों से नाराज हैं।

मुख्यमंत्री उत्कृष्टता पुरस्कार नवाचार से सार्वजनिक सेवा को नई दिशा....

रायपुर। संवाददाता

छत्तीसगढ़ में सुशासन की दिशा में हो रहे परिवर्तन और प्रशासनिक संस्कृति के सुदृढ़ होते स्वरूप को रेखांकित करते हुए आज मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने मुख्यमंत्री उत्कृष्टता पुरस्कार 2025-26 की घोषणा की । यह पुरस्कार राज्य के विभिन्न जिलों और विभागों द्वारा लागू किए गए उन नवाचारों को सम्मानित करने हेतु दिए जाएंगे, जिन्होंने शासन व्यवस्था को अधिक प्रभावी, पारदर्शी और नागरिक-केंद्रित बनाने में उल्लेखनीय भूमिका निभाई है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि सुशासन एवं अभिसरण विभाग द्वारा स्थापित ये पुरस्कार इस बात का स्पष्ट संकेत हैं कि राज्य शासन सार्वजनिक प्रशासन के केंद्र में नवाचार, ठोस परिणाम और नागरिक हित को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रहा है। उन्होंने कहा कि शासन की गुणवत्ता को केवल मंशा या व्यय के आधार पर नहीं, बल्कि उसके वास्तविक, मापनीय प्रभाव, विस्तार-योग्यता और जमीनी समस्याओं के समाधान की क्षमता के आधार पर आँका जाना चाहिए। मुख्यमंत्री उत्कृष्टता पुरस्कार इस नई प्रशासनिक सोच को संस्थागत रूप देने का प्रयास हैं, जहाँ तकनीक, संवेदनशीलता और संस्थागत सुधार मिलकर सार्वजनिक सेवा को सशक्त बनाते हैं। उन्होंने कहा कि सुशासन केवल नीतियों से नहीं, बल्कि निरंतर हो रहे नवाचारों से साकार होता है। परम श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी की जयंती पर मनाए जा रहे सुशासन दिवस के अवसर पर छत्तीसगढ़ में जनहित को केंद्र में रखकर विकसित किए गए उत्कृष्ट प्रशासनिक नवाचारों को सम्मानित करने के लिए मुख्यमंत्री उत्कृष्टता पुरस्कार 2025-26 के विजेताओं की घोषणा की गई है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि शासन में नवाचार कोई विकल्प नहीं, बल्कि समय की आवश्यकता और प्रशासन की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक प्रणालियों को नागरिकों की अपेक्षाओं के अनुरूप गति, पारदर्शिता और विश्वसनीयता के साथ निरंतर स्वयं को ढालना होगा।

राज्यस्तरीय हॉकी प्रतियोगिता मुस्कान हॉकी कप

वनांचल क्षेत्र बोड़ला की बेटियाँ देश का नाम रोशन कर रही हैं-उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा

रायपुर/ संवाददाता

नगर पंचायत बोड़ला में आयोजित चार दिवसीय मुस्कान हॉकी कप राज्यस्तरीय हॉकी प्रतियोगिता 2025-26 में उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने शामिल होकर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर उन्होंने राज्यभर से आए खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया और उनकी खेल भावना, अनुशासन तथा उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना की। उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने बोड़ला की अंतरराष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी ममतेश्वरी लहरे, राजनांदगांव की अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी अनिशा साहू, कोच श्री चौहान सहित अन्य प्रतिभावान खिलाड़ियों को सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि इन खिलाड़ियों ने अपने समर्पण और मेहनत से जिले, प्रदेश और देश का नाम राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रोशन किया है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि आवश्यक बुनियादी ढांचे और सुविधाओं के विकास से बोड़ला को हॉकी के एक सशक्त केंद्र के रूप में स्थापित किया जाएगा। अपने संबोधन में उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि वनांचल क्षेत्र बोड़ला की बेटियाँ हॉकी में राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का प्रतिनिधित्व कर रही हैं, जो कबीरधाम जिले और छत्तीसगढ़ के लिए गर्व का विषय है। ऐसी राज्यस्तरीय प्रतियोगिताएं खिलाड़ियों के आत्मविश्वास, तकनीकी कौशल और प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता को निखारने में अहम भूमिका निभाती हैं। उन्होंने बताया कि नगर पंचायत बोड़ला में मिनी स्टेडियम का निर्माण किया गया है और खिलाड़ियों एवं नागरिकों से सुझाव आमंत्रित किए कि किन अतिरिक्त सुविधाओं का विकास किया जाए, ताकि प्रशिक्षण और अभ्यास का बेहतर वातावरण मिल सके। साथ ही, जिले के विद्यालयों में स्मार्ट क्लास सुविधाएं विकसित की जा चुकी हैं और शीघ्र ही बोड़ला के विद्यालयों में भी स्मार्ट क्लास का शुभारंभ किया जाएगा, जिससे विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध होगी। उल्लेखनीय है कि वनांचल क्षेत्र बोड़ला हॉकी सहित अन्य खेलों की प्रतिभाओं के लिए जाना जाता है। यहां के सैकड़ों खिलाड़ी नियमित अभ्यास कर रहे हैं और कई का चयन भारतीय टीम तक हो चुका है। मुस्कान हॉकी कप जैसी प्रतियोगिताओं से क्षेत्र के युवाओं में खेल के प्रति नई ऊर्जा, उत्साह और लक्ष्यबद्धता का संचार हुआ है।मेडिकल कैशलेस के संस्थापक सदस्यों ने उप मुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री से की मुलाकातछत्तीसगढ़ मेडिकल कैशलेस कर्मचारी कल्याण संघ के नेतृत्व में प्रदेश अध्यक्ष उषा चंद्राकर एवं संरक्षक राकेश सिंह कोषाध्यक्ष विजय कोचंद्र की उपस्थिति में छत्तीसगढ़ के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जयसवाल जी से मिलकर उन्हें आगामी कार्यक्रम के लिए आमंत्रण दिया गया। एवं जल्द से जल्द मेडिकल कैशलेस लागू करने हेतु निवेदन किया गया जिसमें छत्तीसगढ़ के स्वास्थ्य मंत्री ने स्पष्ट रूप से कहा की छत्तीसगढ़ के सभी कर्मचारी एवं उनके परिवार के लिए छत्तीसगढ़ शासन की ओर से बहुत जल्द उपहार स्वरूप मेडिकल कैशलेस देने की प्रक्रिया की जा रही है छत्तीसगढ़ के समस्त कर्मचारी एवं उनके परिवार हमारे प्रथम प्राथमिकता है आप सभी निश्चिंत रहें बहुत ही जल अन्य राज्यों की तरह उससे बेहतर मेडिकल कैशलेस लागू जाएगा,।

संपादकीय

आपराधिक कुंठा के शिकार लोगों के पास तेजाब कैसे आसानी पहुँच जाता?

देश भर में तेजाब से हमले की घटनाओं पर आखिर अंकुश क्यों नहीं लग पा रहा है! जबकि खुले बाजार में तेजाब की बिक्री पर पूर्ण प्रतिबंध है और इस तरह के अपराध से निपटने के लिए सख्त कानून मौजूद हैं।बिहार में पटना जिले के मोकामा में रविवार रात एक महिला पर तेजाब से हमले की वारदात ने राज्य की कानून व्यवस्था पर फिर से सवाल खड़े कर दिए हैं।तेजाब केवल शरीर को ही नहीं झुलसाता, बल्कि इसकी भयावहता कई बार पीड़ित की पहचान, आत्मविश्वास और सपनों को भी एक त्रासदी में बदल देती है। हमले से पीड़ित की जिंदगी पहले जैसी सामान्य नहीं हो पाती है। पीड़ित महिला के लिए तो महीनों तक चलने वाले उपचार के साथ-साथ समाज की संकीर्ण सोच का सामना करना किसी रोजमर्रा के जख्म से कम नहीं होता।सवाल है कि आपराधिक कुंठा के शिकार लोगों की तेजाब तक आसान पहुंच कैसे संभव हो पा रही है? जाहिर है कि इसके लिए प्रशासनिक तंत्र में व्याप्त खामियां ही जिम्मेदार हैं।गौरतलब है कि वर्ष 2013 में सर्वोच्च न्यायालय के निर्देश पर बाजार में तेजाब की बिक्री पर प्रतिबंध लगा दिया गया था। इस कदम के बाद तेजाब से हमले के मामलों में थोड़ी कमी आई थी, लेकिन पिछले कुछ वर्षों से इनमें फिर से वृद्धि देखी जा रही है।राष्ट्रीय अपराध रेकार्ड ब्यूरो की एक रपट के मुताबिक, वर्ष 2017 में देश भर में तेजाब से हमले के 244 मामले दर्ज हुए थे। एक अन्य रपट के अनुसार, वर्ष 2021 में ऐसे 176 मामले और 2023 में 207 वारदात दर्ज की गई।इसमें दोराय नहीं कि देश में तेजाब से हमलों के खिलाफ सख्त कानून बनाया गया है, मगर सवाल है कि क्या इस कानून का सख्ती से पालन हो रहा है?क्या यह जांच एजंसियों की जिम्मेदारी नहीं है कि अवैध रूप से तेजाब की बिक्री करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए? कई बार तो जांच अधिकारियों की लापरवाही के कारण हमलावर न्याय के कठघरे में आने से बच जाते हैं। जब तक पुलिस और प्रशासनिक तंत्र में व्याप्त खामियों को दुरुस्त नहीं किया जाएगा, तब तक सख्त कानून का प्रभाव भी धरातल पर कम ही नजर आएगा।

नियम बड़े या इंसानियत?

चिकित्सक को भगवान का दूसरा रूप माना जाता है, क्योंकि वह अपने ज्ञान और कौशल से मरीजों का जीवन बचाने और उसे बेहतर बनाने का काम करता है। चिकित्सक को मरीज के शारीरिक कष्ट का ही नहीं, बल्कि उसकी मानसिक स्थिति का भी ध्यान रखना होता है। ऐसे में चिकित्सक का व्यवहार और संवेदनशीलता कई मायनों में महत्त्वपूर्ण होती है। लेकिन कोई चिकित्सक अगर इलाज के दौरान आपा खोकर मरीज पर ही हमला कर दे, तो उसे क्या कहा जाएगा।हिमाचल प्रदेश के शिमला स्थित इंदिरा गांधी मेडिकल कालेज एवं अस्पताल में सोमवार को ऐसा ही मामला सामने आया, जिसमें एक चिकित्सक ने मरीज के साथ बहस के बाद उसकी पिटाई कर दी। मामले ने तूल पकड़ा, तो अस्पताल प्रबंधन ने आरोपी चिकित्सक को निलंबित कर घटना की जांच शुरू कर दी। सवाल है कि अगर कोई मरीज असंतुलित व्यवहार भी करता है, तो क्या चिकित्सक का इस कदर आक्रामक होना उचित है? क्या उसका यह दायित्व नहीं है कि वह मरीज की मनोदशा समझकर संवेदनशील और संयमित तरीके से प्रतिक्रिया दे?इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि सरकारी अस्पतालों में चिकित्सकों के अभाव का संकट बढ़ता जा रहा है, जिस कारण काम का दबाव भी बढ़ गया है। ऐसे में कई बार चिकित्सकों का व्यवहार सख्त हो सकता है, लेकिन उनसे मरीज के साथ मारपीट करने जैसी हरकत की अपेक्षा नहीं की जा सकती।शिमला के अस्पताल में जिस मरीज के साथ मारपीट की गई, वह फेफड़ों में तकलीफ की शिकायत लेकर वहां आया था। जांच के बाद सांस लेने में दिक्कत होने पर उसे अस्पताल में ही कुछ समय के लिए आराम करने की सलाह दी गई। इसके बाद वह एक वार्ड में खाली पड़े बिस्तर पर लेट गया और इसी को लेकर चिकित्सक के साथ उसकी बहस हो गई।सवाल है कि अगर कोई मरीज भर्ती हुए बिना अस्पताल के खाली पड़े बिस्तर पर कुछ देर आराम कर ले, तो उस पर किसी चिकित्सक को आपत्ति क्यों होनी चाहिए? चिकित्सक का प्राथमिक दायित्व मरीज के प्रति संवेदनशील होना और उसे राहत देने का होना चाहिए या नियम की दुहाई देकर उसे प्रताड़ित करने का? चिकित्सकों और प्रशासनिक अधिकारियों को इस पर गंभीरता से सोचने की जरूरत है।

भारत अमेरिका की डील में जैवलिन मिसाइल के अलावा स्मार्ट तोप गोला भी है। अमेरिका ने भारत को 818.4 करोड़ रुपए (93 मिलियन डॉलर) कीमत के एक्सकैलिबर गाइडेड आर्टिलरी प्रोजेक्टाइल और जैवलिन एंटी-टैंक मिसाइल सिस्टम बेचने की मंजूरी दे दी है। एक्सकैलिबर प्रोजेक्टाइल और इसके उपकरणों की कीमत 414.48 करोड़ और जैवलिन मिसाइल सिस्टम और उपकरणों की कीमत करीब 402.16 करोड़ रुपए है। रूस से तेल खरीद की पैनल्टी के रूप में भारत पर लगाए गए 50 प्रतिशत टैरिफ के बाद ये भारत की अमेरिका से पहली बड़ी रक्षा खरीद होगी।

360 डिग्री कैसे पलटे ट्रंप? भारत आया अमेरिकी हथियारों का जखीरा

(अभिनय आकाश)

भारत और अमेरिका के रिश्ते सुधर रहे हैं। भले ही धीरे-धीरे सुधर रहे हैं लेकिन अब जो गाड़ी है वो पटरी पर लौट रही है। सबसे पहले भारत अमेरिका से तेल खरीदना शुरू करता है। दूसरे नंबर पर रूस से तेल की खरीद कम करता है। खत्म नहीं करता है, बल्कि कम करता है। उसके बाद भारत बड़ी एलपीजी की डील अमेरिका के साथ करता है। अपनी जरूरत का 10 प्रतिशत हिस्सा अब भारत अगले महीने से अमेरिका से खरीदेगा। उसके बाद सैन्य लेवल पर भी भारत जो है एक डील करता है। ये सारी चीजें चल ही रही होती हैं कि खबर आती है कि दिसंबर के आखिर तक भारत की और अमेरिका की जो ट्रेड डील है वो लगभगल लगभग पूरी तरीके से फाइनल हो जाएगी और दोनों देशों ने जो एक सपना देखा था कि 2030 तक 500 बिलियन डॉलर का व्यापार पहुंचाएंगे। द्विपक्षीय व्यापार होगा उस तरफ चीजें आगे बढ़ने वाली हैं। दरअसल, भारत अमेरिका ने एक साथ आकर एक बड़ा खेल कर डाला है। भारत अमेरिका के नए एक्शन से पाकिस्तान और चीन दोनों के होश उड़ चुके हैं। पाकिस्तान पहले ही भारत से डरा हुआ है। हर पल उसे यही डर सोने नहीं दे रहा कि कब भारत पहले की तरह रात में सूरज उगा दे और उसी टेंशन को और भी ज्यादा बढ़ाने का काम कर दिया है। अब अमेरिका से सामने आई इस चिट्ठी ने। दरअसल पाकिस्तान को तगड़ा झटका अब अमेरिका ने दे दिया। जिसकी गोद में वो बैठने के ख्वाब हर दिन हर रात देख रहा था। उसी पाकिस्तान को अब भारत के साथ मिलकर जमीन में गाड़ने का काम अमेरिका ने कर दिया। दरअसल अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने भारत के लिए बड़ा कदम उठाते हुए 9.3 करोड़ डॉलर के हथियार की बिक्री को मंजूरी दे दी है। बता दें कि अमेरिका ने भारत को दुनिया की सबसे घातक एंटी टैंक मिसाइल सिस्टम में से एक जैवलिन मिसाइल देने का ऐलान कर दिया है जो कि पाकिस्तान के टैंकों के लिए काल है। भारत अमेरिका की डील में जैवलिन मिसाइल के अलावा स्मार्ट तोप गोला भी है। अमेरिका ने भारत को 818.4 करोड़ रुपए (93 मिलियन डॉलर) कीमत के एक्सकैलिबर गाइडेड आर्टिलरी प्रोजेक्टाइल और जैवलिन एंटी-टैंक मिसाइल सिस्टम बेचने की मंजूरी दे दी है। एक्सकैलिबर प्रोजेक्टाइल और इसके उपकरणों की कीमत 414.48 करोड़ और जैवलिन मिसाइल सिस्टम और उपकरणों की कीमत करीब 402.16 करोड़ रुपए है। रूस से तेल खरीद की पैनल्टी के रूप में भारत पर लगाए गए 50 प्रतिशत टैरिफ के बाद ये भारत की अमेरिका से पहली बड़ी रक्षा खरीद होगी। अमेरिका ने कहा है कि इस बिक्री से 'बड़े डिफेंस पार्टनर' की सुरक्षा में सुधार होगा, जो दक्षिण एशिया क्षेत्र में राजनीतिक स्थिरता और शांति के लिए महत्वपूर्ण ताकत बना हुआ है। डिफेंस सिक्योरिटी कोऑपरेशन एजेंसी ने अमेरिकी संसद को बताया है कि भारत ने 216 एक्सकैलिबर टैक्टिकल प्रोजेक्टाइल और 100 एफजीएम-148 जैवलिन राउंड, एक जैवलिन एफजीएम-148 मिसाइल, फ्लाई-टू-बाय और 25 जैवलिन लाइटवेट कमांड लॉन्च यूनिट्स या जैवलिन ब्लॉक 1 कांड लॉन्च यूनिट्स खरीदने की इच्छा जताई है। भारत को इन हथियारों और डिफेंस सिस्टम को सेना में शामिल करने में कोई मुश्किल नहीं होगी। साथ ही इन रक्षा उपकरणों और सपोर्ट सिस्टम की बिक्री से क्षेत्र में बुनियादी सैन्य संतुलन में कोई बदलाव नहीं आएगा। बता दें कि भारत और अमेरिका ने हाल ही में 10 साल के लिए डिफेंस पार्टनरशिप डील के विभिन्न मुद्दों पर समझौता किया है। क्या है जैवेलियन मिसाइल सिस्टम जैवलिन दुनिया की सबसे अडवांस पोर्टेबल एंटी-टैक गाइडेड मिसाइल है। इसे फायर एंड फॉर गेट मिसाइल कहा जाता है, यानी फायर करने के बाद सैनिक को टारगेट पर निशाना बनाए रखने की जरूरत नहीं पड़ती। यह खुद लक्ष्य ढूंढकर मार गिराती है। यूक्रेन ने रूस के खिलाफ मिसाइल का इस्तेमाल रूसी टैको को नष्ट करने के लिए किया है। यह पोर्टेबल, कंधे से लॉन्च किया जाने वाला हथियार है। ये टैंक, बख्तरबंद गाड़ियों और किलेबंद जगहों को नष्ट कर सकता है। यह 'फायर-एंड-फॉरगेट' गाइडेंस सिस्टम का इस्तेमाल करता है। सैनिक फायरिंग के तुरंत बाद सुरक्षित जगह पर जा सकता है क्योंकि मिसाइल इंफ्रारेड टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल कर खुद को गाइड करती है। इसे ले जाना आसान है, इसे दो सैनिक चला सकते हैं। यूक्रेन में सैकड़ों रूसी टैंक नष्ट किए। एलओसी और एलएसी के पहाड़ी क्षेत्रों के लिए अहम है। इसका टॉप-अटैक मोड बख्तरबंद वाहनों और बंकरों के खिलाफ बेहद कारगर है। 1 गोला 50 पारंपरिक गोलों के बराबर यह जीपीएस-गाइडेड आर्टिलरी शेल है, जिसे होवित्जर जैसी बड़ी तोपों से फायर किया जाता है। पारंपरिक शेल के विपरीत, यह लंबी दूरी पर भी 2 मीटर से कम की सटीकता से निशाना लगा सकता है। एक एक्सकैलिबर राउंड 10-50 पारंपरिक राउंड के बराबर होता है। इससे गोला-बारूद बचता है। भारत पहले से एम 777 अल्ट्रा-लाइट हॉवित्जर के साथ एक्सकैलिबर का उपयोग कर रहा है, जो लद्दाख जैसे उच्च ऊंचाई वाले क्षेत्रों में त्वरित तैनाती के लिए आदर्श हैं। अमेरिका से ताजा एक्सकैलिबर आर्टिलरी शेल खरीद से भारत की सटीकता के साथ हमला करने की क्षमता बढ़ेगी। टैंक किलर भी कहा जाता है यूक्रेनी सैनिकों ने इनसे रूस के टी72, टी19 जैसे मजबूत टैंकों को सैकड़ों की संख्या में उड़ा दिया। यह मिसाइल इतनी प्रभावी रही कि इसे टैंक किलर भी कहा जाने लगा। रूसी टैंक ऊपर से हमला करने का मुकाबला नहीं कर पाते। यही वजह है कि पूरी दुनिया में इस मिसाइल की तारीफ जमकर हो रही है। भारत के पास इस मिसाइल के आने से यह चीन और पाकिस्तान की सीमा पर काम आएगी। पहाड़ी इलाके जैसे कि लद्दाख में यह टैंक रोकने के लिए काफी उपयोगी होगी। पैदल सैनिकों को मजबूत बनाएगी और अब दुश्मन के टैंक आने पर डरने की जरूरत नहीं होगी। पाकिस्तान के पास भी चीनी टैंक है। इसलिए यह मिसाइल पाकिस्तान के खिलाफ भी काफी असरदार होगी। चीनी टैंकों की क्षमता पर पहले से ही सवाल रहे हैं। ऐसे में जमीनी लड़ाई के दौरान भी इस मिसाइल से भारतीय सेना पाकिस्तान के चीनी टैंकों का कब्रगाह बना सकती है। पड़ोसी देशों के पास क्या क्या चीनः एचजे 11 और 12 है। यह चाइनीज जैवलिन है। इसकी रेंज 3-4 किमी तक है। एचजे-12 'सॉफ्ट लॉन्च' क्षमता रखती है। इसे कई लोकेशन से दागा सकते हैं। एलएसी पर ये तैनात हैं। पाकिस्तानः बराबरी का कोई हथियार नहीं। चीन आयातित एंटी-टैंक बख्तर शिकन हैं। जैवलिन की तरह फायर-एंड-फॉरगेट नहीं है। ऑपरेटर को लक्ष्य पर लॉक रहना पड़ता है। रेंज 2-3 किमी है।

अरावली पर्वत श्रंखला राजनीतिक अर्थशास्त्र के संदर्भ में

(अरुण कांत शुक्ला)

बुधवार को केंद्र सरकार ने अरावली पर अब नए पट्टे देने पूरी रोक लगा दी है यह कदम उचित है। अरावली पर्वत श्रेणी को लेकर हाल के वर्षों में जो सबसे अधिक विवादास्पद और दूरगामी विनाशकारी प्रभाव वाला तर्क सामने आया है, वह यह है कि केवल 100 मीटर से अधिक ऊँचाई वाली पहाड़ियों को ही 'अरावली' माना जाए। यह प्रस्ताव पर्यावरणीय संरक्षण को सीमित करने की एक नीतिगत रणनीति के रूप में सामने आता है। अरावली पर्वत श्रेणी विश्व की सबसे प्राचीन पर्वतमालाओं में से एक है। इसकी उत्पत्ति लगभग 250 करोड़ वर्ष पूर्व मानी जाती है। इसका विस्तार मुख्यतः गुजरात, राजस्थान, हरियाणा और दिल्ली तक है।पर्यावरणीय दृष्टि से अरावली– मरुस्थलीकरण को रोकती है। भूजल पुनर्भरण में सहायक है।दिल्ली-एनसीआर की जलवायु को संतुलित करती है। जैव विविधता का महत्वपूर्ण आश्रय है। यह पर्वत श्रेणी किसी एकसार, ऊँचे, निरंतर पर्वत के रूप में नहीं बल्कि एक क्षीण, टूटी-बिखरी, निम्न ऊँचाई वाली पहाड़ियों, चट्टानों और भूगर्भीय संरचनाओं के जटिल तंत्र के रूप में विकसित हुई है। इसीलिए अरावली को केवल ऊँचाई के पैमाने पर परिभाषित करना, उसके भूवैज्ञानिक चरित्र को नकारने जैसा है।मुख्य विवाद इस प्रश्न से शुरू होता है कि अरावली की भौगोलिक और कानूनी सीमा क्या है। कुछ राज्य सरकारें केवल ऊँचे पर्वतीय हिस्सों को अरावली मानती हैं जबकि पर्यावरणविद और न्यायालय अरावली के पूरे भूगर्भीय विस्तार को संरक्षण योग्य मानते हैं। इसी अस्पष्टता का लाभ उठाकर कई क्षेत्रों में खनन और निर्माण कार्य होते रहे।100 मीटर की ऊँचाई का मानक न तो भूविज्ञान से निकला है, न पारिस्थितिकी से और न ही किसी अंतरराष्ट्रीय पर्यावरणीय सिद्धांत से। यह एक प्रशासनिक सीमा है, जिसे इस प्रकार गढ़ा गया कि अरावली क्षेत्र का बड़ा हिस्सा कानूनी संरक्षण से बाहर हो जाए। हरियाणा, राजस्थान और दिल्ली-एनसीआर में इस मानक को अपनाने का सबसे बड़ा लाभ यह हुआ कि हजारों हेक्टेयर भूमि, जो पहले अरावली क्षेत्र मानी जाती थी, अब निर्माण, खनन और रियल एस्टेट गतिविधियों के लिए खोल दी गई। अरावली विवाद का सबसे गंभीर पहलू है अवैध खनन। पत्थर, ग्रेनाइट, संगमरमर और सिलिका का बड़े पैमाने पर खनन। विशेष रूप से हरियाणा (फरीदाबाद, गुरुग्राम, नूंह) और राजस्थान में। इससे पहाड़ियाँ समतल होती गईं, जंगल नष्ट हुए और भूजल स्तर गिरा। भूवैज्ञानिक दृष्टि से अरावली को समझने के लिए ऊँचाई नहीं, बल्कि चट्टानों की संरचना, आयु और निरंतरता को आधार बनाया जाता है। अरावली की पहचान क्वार्टजाइट, फाइलाइट, शिस्ट और ग्रेनाइट जैसी प्राचीन चट्टानों से होती है, जो कई स्थानों पर 50 मीटर, कहीं 30 मीटर और कहीं सतह के समांतर ही दिखाई देती हैं। क्या केवल इसलिए कि वे 100 मीटर से कम ऊँची हैं, उन्हें अरावली नहीं माना जाएगा? यह प्रश्न इस पूरे विवाद की बुनियाद को उजागर करता है।पारिस्थितिकी के स्तर पर यह तर्क और भी अधिक खतरनाक हो जाता है। अरावली केवल ऊँची पहाड़ियों का नाम नहीं है, बल्कि यह एक इकोलॉजिकल सिस्टम है– जिसमें पहाड़ियाँ, ढलानें, वनस्पति, जलग्रहण क्षेत्र, दर्रे, नाले और भूमिगत जल संरचनाएँ शामिल हैं। 100 मीटर से कम ऊँचाई वाले क्षेत्र ही अक्सर भूजल पुनर्भरण, वर्षा जल संचयन और जैव विविधता के लिए अधिक महत्वपूर्ण होते हैं।

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5956

	4	7			3			5
			6	8	7		4	
			2	4		9		7
		6					1	8
				1				
2	7					5		
8		5		6	1			
	9		8	5	2			
1			9			8	5	

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आडी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5955

1	4	7	9	5	3	8	2	6
9	5	3	8	6	2	4	7	1
6	2	8	1	7	4	9	5	3
3	6	9	7	1	8	5	4	2
4	1	2	3	9	5	6	8	7
7	8	5	4	2	6	1	3	9
2	9	1	5	8	7	3	6	4
5	3	6	2	4	1	7	9	8
8	7	4	6	3	9	2	1	5

वर्ग पहेली 5956

1	2	3		4		5	
6				7	8		
				9			10
11	12					13	
			14		15		
	16			17		18	
19			20				
		21			22		

संकेत: बाएं से दाएं

1. इस देश की चौथी प्रधानमंत्री गोल्डा मायर ने मई 1998 को जन्म लिया था (निधन 1978)(4)
5. संसार, दुनिया, जग, जगत, लोक (2)
6. राजा के लिए प्रयुक्त शब्द (3)
7. एडवोकेट, अधिकार प्रदत्त व्यक्ति (3)
9. मेहरबानी, अनुकंपा, कृपा, दया (4)
11. हिंदी माहस की प्रत्येक पक्ष की तीसरी तिथि (2)
13. पुराणानुसर निषध देश के राजा वीरसेन के पुत्र जिनका विवाह दमयंती के साथ हुआ था, श्रीराम की सेना का एक वानर (2)
14. प्रेमी, अनुरागी (3)
16. वचन प्रतिज्ञा, इकरार (2)
17. प्रसिद्ध, ख्यात, नामी (4)
19. षोडशी कन्या, कान में पहनने का एक आभूषण (2)
21. एक शुष्क मेवा (2)
22. एक स्वीकृति सूचक शब्द (1)

ऊपर से नीचे

1. यह ऐरावत महागज की माता थी, हिमालय की तलहटी से निकलने वाली एक नदी (4)
2. न्यायाधीश को अंग्रेजी में यह कहते है (2)
3. जंघा, जांघ (2)
4. यह अभिनेत्री साधना की पहली फिल्म थी (1960)(7)
5. एक दूसरे में लय होने की क्रिया, सम्मिश्रण (4)
8. ईर्ष्या, प्रतिशोध भावना (2)
10. असि, छत्रपति शिवाजी का शस्त्र (4)
12. बारातियों के ठहरने का स्थल, धर्मशाला (4)
15. फूंक, खींच, सुट्टा (2)
18. स्वर्ग में रहने वाली सुंदर स्त्री, स्वर्गांगना, स्वर्गवधू (2)
19. अवसर, घटना स्थल (2)
20. बगल, पार्श्व, बाहु, भुजा (2)

वर्ग पहेली 5955 का हल

जा	पा	न		व	सी	य	त
न	य	न	गो	च	र		न
की	ल		व	न		सा	म
सु		अ	र्थ		ल	ग	न
त	वा		न	स		र	मा
	ता	ना		म	घा		र
श	य	न	क	क्ष		छा	ना
	न	क	ल		द	या	

आज का राशिफल

मेष

आज आत्मविश्वास और सृजन शक्ति का दिन है। द मैजिशियन बताता है कि आपके पास विचार, साधन और साहस तीनों मौजूद हैं। जो भी लक्ष्य आपने तय किया है, उसे साकार करने की पूरी क्षमता आज आपके भीतर है। संकल्प लें और बिना संदेह आगे बढ़ें। परिणाम आपके पक्ष में बनेंगे। आज भावनात्मक गर्माहट रहेगी।

वृष

आज दिल से जुड़ी नई शुरुआत संभव है। ऐस ऑफ कप्स प्रेम, करुणा और भावनात्मक ताज़गी का प्रतीक है। चाहे कोई नया रिश्ता हो या अपने भीतर शांति का एहसास। आज दिल हल्का और खुश रहेगा। आज जीवन में भावनात्मक गहराई और संवेदनशीलता बढ़ी रहेगी। क्वीन ऑफ कप्स रिश्तों को सहेजने, किसी की मदद करने या रचनात्मक कार्यों में मन लगाने का संकेत देती है।

मिथुन

यदि आप किसी काम को टालते हैं तो भविष्य में भी उसके टलने की सम्भावना बढ़ जायेगी। सहकर्मियों का बेहतरीन सहयोग प्राप्त होगा। शत्रुओं पर आप भारी पड़ेंगे। सभी कार्यों को समय पर पूर्ण करने का प्रयास करें। किसी नयी नौकरी की शुरुआत कर सकते हैं।

तुला

जीवन में आज स्पष्टता का उदय होगा। ऐस ऑफ स्वॉर्ड्स किसी सच, निर्णय या विचार में अचानक आई साफ़ समझ का संकेत देता है। भ्रम दूर होगा और आप पूरे आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ पाएंगे। आज भावनात्मक संतुलन और परिपक्वता का दिन है। किंग ऑफ कप्स दर्शाता है कि आप किसी स्थिति में स्थिरता और समझदारी ला सकते हैं।

वृश्चिक

आज रिश्तों में सामंजस्य बढ़ेगा। टू ऑफ कप्स प्रेम, साझेदारी और आपसी समझ का प्रतीक है। कोई संबंध आज और गहरा हो सकता है। बराबरी और सम्मान से रिश्ते मजबूत होंगे। जीवन में आज भावनात्मक पूर्णता और शांति का अनुभव होगा। टेन ऑफ कप्स परिवार, प्रेम और आंतरिक संतोष का संकेत देता है। मन प्रसन्न रहेगा और दिल से कृतज्ञता का भाव निकलेगा।

धनु

आज खुशियों और मेल-जोल का दिन है। थ्री ऑफ कप्स उत्सव, मित्रता और साथ मिलकर आनंद लेने का संकेत देता है। कोई संदेश या मुलाकात मन को हल्का कर सकती है। अपनों के साथ समय बिताएं। जीवन में आज स्थिरता और सुरक्षा का भाव रहेगा। टेन ऑफ पेंटाकल्स परिवार, धन और भविष्य की नींव मजबूत होने का संकेत देता है।

कर्क

आज विचारों की तेज़ी और जिज्ञासा का दिन है। पेज ऑफ स्वॉर्ड्स नई बातचीत, जानकारी या अचानक मिले विचार का संकेत देता है। कोई छोटा सा संवाद आगे चलकर बड़ा अवसर बन सकता है। सीखने और पूछने से न हिचकें। द लवर्स कार्ड बताता है कि दिल और मूल्यों के अनुरूप चुनाव करना ज़रूरी है। बेवजह के मामलों में उलझ सकते हैं।

सिंह

आपकी कुछ महत्वपूर्ण वस्तुयें गुम हो सकती हैं। लोग आपके सही काम का भी विरोध करेंगे। जोखिम भरे निवेश करने से आपको बचना चाहिये। पेट में एसिडिटी की शिकायत हो सकती है। बच्चों की परवरिश पर ध्यान दें। पुराने रोगों के कारण परेशानी होगी। कारोबार में थोड़ी गिरावट देखने को मिल सकती है। अति आत्मविश्वास के कारण आपको परेशानी झेलनी पड़ेगी।

कन्या

आप परिवार को अत्यधिक महत्व देंगे। घुटनों में दर्द की शिकायत हो सकती है। वैवाहिक जीवन में प्रेम भाव बढ़ेगा। कारोबारी अनुबन्धों के लिये दिन बहुत ही अच्छा है। बच्चों की उपलब्धियों से हर्षित रहेंगे। निर्माण कार्यों में तेजी आयेगी।

मकर

आज आप वही काम करना पसन्द करेंगे, जो आपका शौक बन गया हो। समझदारी पूर्वक स्थितियों को सम्भालने का प्रयास करें। अधूरे कार्यों को समय पर निपटा पायेंगे। बच्चों को अनुशासन की शिक्षा अवश्य दें। शेयर मार्केट में पहले किया गया निवेश आज आपको बड़ा लाभ दे सकता है। व्यवसाय में बड़ा बदलाव कर सकते हैं। मृदु व्यवहार के कारण लोगों के चहेते बने रहेंगे।

कुंभ

लेन-देन में की गयी जल्दबाजी आपको आर्थिक हानि पहुँचा सकती है। व्यर्थ दौड़धूप करनी पड़ेगी, लेकिन उसका परिणाम कुछ खास नहीं मिलेगा। मधुमेह के रोगियों को खानपान का ध्यान रखना चाहिये। बोलचाल में हल्के शब्दों का प्रयोग करना उचित नहीं है। आज काम के प्रति एकाग्र नहीं हो पा रहे हैं, इसीलिये नये काम की शुरूआत न करें। प्रेम सम्बन्धों को लेकर तनाव बढ़ेगा। सुख-सुविधाओं में कमी आयेगी।

मीन

मांगलिक उत्सवों में भाग लेंगे। व्यापार में बहुत अच्छे मौके मिलेंगे। रूपरेखा बनाकर काम करना लाभकारी सिद्ध होगा। नौकरीपेशा लोगों का ट्रान्सफर हो सकता है। पढ़ाई-लिखाई को लेकर आप अत्यन्त सजग रहेंगे। विवेक से काम करना लाभकारी सिद्ध होगा। बुरी संगत वाले लोगों से दूरी बनाकर रखें। बवासीर के रोगियों को तेज दर्द की शिकायत हो सकती है।

बोर्ड परीक्षा की टेंशन में हो रहे हैं परेशान? बिना स्ट्रेस कम समय में खुद को ऐसे करें तैयार

बोर्ड परीक्षा में अब काफी कम समय बचे हैं। इस दौरान अगर आप भी तनावपूर्ण महसूस कर रहे हैं, तो आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। यहां हम आपको कुछ ऐसे टिप्स और प्लानिंग के बारे में बताएंगे, जिसे फॉलो करके आप एग्जाम में अच्छा स्कोर कर सकते हैं।

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की ओर से कक्षा 10 और 12वीं की बोर्ड परीक्षाएं फरवरी महीने में ली जाएंगी। डेटशीट के अनुसार, दोनों ही कक्षाओं की परीक्षाएं 15 फरवरी 2025 से शुरू होंगी। 10वीं की परीक्षाएं 18 मार्च तक और 12वीं की परीक्षाएं 4 अप्रैल तक चलेंगी। इसके अलावा फरवरी से लेकर अप्रैल महीने तक अन्य राज्यों की बोर्ड परीक्षाएं भी खत्म हो जाएंगी।

कुछ स्टूडेंट्स तो एग्जाम की प्रिपरेशन सेशन की शुरुआत से ही अच्छी तरह करते हैं। वहीं, कुछ बच्चे अपनी जमकर तैयारी आखिरी के कुछ महीनों से करना शुरू कर देते हैं। तैयारी चाहें जितना भी कर लें, लेकिन बोर्ड परीक्षा का समय नजदीक आते ही छात्रों में तनाव बढ़ने लगता है। हालांकि सही रणनीति और बेहतर प्लानिंग से पढ़ाई करने के बाद, वे अपने एग्जाम में अच्छा स्कोर कर सकते हैं। यहां कुछ कारगर टिप्स बताए गए हैं, जिससे आपको कम समय में बोर्ड परीक्षा की तैयारी करने में मदद मिल सकती है। बोर्ड एग्जाम 2025 की कम समय में ऐसे करें तैयारी

टाइम टेबल बनाकर फॉलो करें

बोर्ड एग्जाम के लिए आपके पास सिर्फ एक ही महीना बचा है। इस दौरान आपको जमकर तैयारी करने की जरूरत है। इसके लिए ज्यादा से ज्यादा पढ़ाई पर फोकस करने की जरूरत है। एक प्रभावी टाइम टेबल का शेड्यूल बनाकर आप सभी विषयों को बराबर समय दें। इसमेंकठिन विषयों के लिए ज्यादा समय रखें और सरल विषयों को रिवीजन के लिए छोड़ दें। इसी रुटीन के साथ अपनी पढ़ाई शुरू कर दें। ध्यान रहे आपको सारे विषयों पर फोकस करना है। चाहे वह आसान हो या मुश्किल आपको सारे सब्जेक्ट पर अच्छी पकड़ बनाना जरूरी है, ताकि आप एग्जाम में अच्छी तरह से लिख सकें। पढ़ाई के साथ ब्रेक्स को भी जरूर शामिल करें।

शेड्यूल के हिसाब से पढ़ाई के साथ तय करें छोटे-छोटे लक्ष्य

बड़े टॉपिक्स को छोटे हिस्सों में बांट लें। रोजाना के लिए छोटे-छोटे टारगेट सेट करें और उन्हें पूरा करें। यह तरीका आपको विषयों को जल्दी कवर करने में मदद कर सकता है।शेड्यूल के हिसाब से पढ़ाई करने के साथ-साथ टॉपिक कवर करने के लिए छोटे-छोटे लक्ष्य सेट करना बेहद जरूरी है।

रिवीजन पर दें जोर

पढ़ाई पूरी करने के बाद और शुरू करने से पहले रिवीजन जरूर करें।हर विषय का ज्यादा से ज्यादा रिवीजन करें। रिवीजन के लिए नोट्स और शॉर्टकट फॉर्मूलों का इस्तेमाल कर सकते हैं। रिवीजन के दौरानमुश्किल टॉपिक्स को आसान भाषा में और शॉर्ट में लिखें।ये परीक्षा से पहले तेजी से रिवीजन के वक्त भी काम आ सकते हैं।

पुराने प्रश्न पत्र हल करें और प्रैक्टिस टेस्ट दें

पिछले सालों के बोर्ड एग्जाम के प्रश्न पत्रों को हल करें। इससे आपको परीक्षा के पैटर्न और कठिनाई स्तर का अंदाजा होगा। समय सीमा के अंदर प्रश्न पत्र हल करने की प्रैक्टिस करें। इसके अलावा, घर पर खुद के लिए मॉक टेस्ट सेट करें। इससे समय प्रबंधन और लिखने की गति में सुधार आने की संभावना बढ़ेगी।

परीक्षा के दिन के लिए खास टिप्स

परीक्षा से एक दिन पहले नई चीजें न पढ़ें। पहले जो भी पढ़ा है उसे बस एक बार रीड करके रिवीजन कर लें।समय से सो जाएं और मानसिक शांति बनाए रखें। परीक्षा हॉल में सवालों को ध्यान से पढ़ें और समय का सही इस्तेमाल करें।

फ्यूचर है प्लांट-बेस्ड फूड इंडस्ट्री, खोजें करियर के छिपे हुए अवसर

आज के समय में लोग वीगन हो रहे हैं या फिर प्लांट-बेस्ड फूड की तरफ उनका झुकाव काफी बढ़ने लगता है। ऐसे में प्लांट बेस्ड फूड इंडस्ट्री में करियर की ढेरों संभावनाएं पैदा हुई हैं। भारत में प्लांट-बेस्ड फूड इंडस्ट्री काफी तेज़ी से बढ़ रही है। आज के समय में सिर्फ आम लोग ही नहीं, बल्कि कई दिग्गज सेलेब्स भी प्लांट बेस्ड फूड के फायदों को समझने के साथ-साथ उसे अपनाने लगी है। जैसे-जैसे ज़्यादा से ज़्यादा लोग अपनी हेल्थ से लेकर पर्यावरण के बारे में जागरूक हो रहे हैं, प्लांट-बेस्ड विकल्प हर जगह उभर रहे हैं। आज के समय में प्लांट-बेस्ड डेयरी से लेकर स्नैक्स और मील तक, लोग कई चीजों की डिमांड करने लगे हैं। जिसकी वजह से इस फील्ड में करियर के कई नए ऑप्शन खुले हैं।

आप प्रोडक्ट डेवलपमेंट से लेकर मार्केटिंग और फूड टेक्निक तक में अपने लिए करियर की नई संभावनाएं खोज सकते हैं। यह एक ऐसी फील्ड है, जिसकी आने वाले समय में भी काफी डिमांड रहेगी। प्लांट-बेस्ड क्रांति अभी शुरू ही हुई है, इसलिए अभी इस फील्ड में बहुत ज्यादा स्कोप है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको बता रहे हैं कि प्लांट-बेस्ड फूड इंडस्ट्री में आप कहां-कहां करियर ऑप्शन की तलाश कर सकती हैं-

प्रोडक्ट डेवलपमेंट

प्लांट-बेस्ड फूड इंडस्ट्री में आप प्रोडक्ट डेवलपमेंट फील्ड में भी करियर बन सकते हैं। इसमें आपको एनिमल बेस्ड फूड के बेहतरीन अल्टरनेटिव देंगे, जो प्लांट बेस्ड हो। आज के समय में लोग प्लांट बेस्ड फूड तो खाना चाहते हैं, लेकिन अपने टेस्ट बड के साथ कोई समझौता नहीं करना चाहते हैं। इसलिए, वे प्लांट बेस्ड प्रोडक्ट की तलाश करते हैं। ऐसे में आप किसी बड़ी कंपनी के साथ जुड़कर काम कर सकते हैं या फिर खुद का स्टार्टअप भी शुरू कर सकते हैं। इस फील्ड में अपने कदम जमाने के लिए आपको फूड साइंस से लेकर प्लांट बेस्ड इंग्रीडिएंट की अच्छी समझ होनी चाहिए।

न्यूट्रिशन और कंसल्टिंग

आप चाहे तो न्यूट्रिशन और कंसल्टिंग की फील्ड में भी अपना करियर बना सकते हैं। आज के समय में प्लांट बेस्ड डाइट में स्पेशलाइजेशन रखने वाले न्यूट्रिशनिस्ट की काफी डिमांड है। आप भी इसमें स्पेशलाइजेशन करके लोगों या किसी बिजनेस को प्लांट बेस्ड लाइफस्टाइल पर स्विच करवाने में मदद कर सकते हैं। चूंकि आज के समय में अधिक से अधिक लोग प्लांट बेस्ड डाइट चुन रहे हैं, इसलिए पर्सनलाइज्ड न्यूट्रिशन एक्सपर्ट की डिमांड भी काफी बढ़ रही है। करियर बनाने के लिए जरूरी बातें आप ध्यान रखते हैं, तो आपकी लाइफ अच्छी रहेगी।

सेल और बिजनेस डेवलपमेंट

अगर आपमें मार्केटिंग स्किल्स भी हैं और आप लोगों से संबंध बनाने में अच्छे है तो आप सेल और बिजनेस डेवलपमेंट की फील्ड में अपना करियर देख सकते हैं। इसमें आप प्लांट बेस्ड प्रोडक्ट के लिए एक नई मार्केट खड़ी करने में अपने स्किल्स का इस्तेमाल कर सकते हैं। अब लोग प्लांट बेस्ड फूड तो खाने में इच्छुक होने लगे हैं, लेकिन फिर भी यह फूड इंडस्ट्री अभी काफी नई है, इसलिए इस बारे में जानकारी फैलाने और एक मार्केट बिल्ड करने के लिए बहुत कुछ करना बाकी है।

फूड जर्नलिज्म और कंटेंट क्रिएशन

अगर आपको प्लांट बेस्ड फूड खाने के साथ लिखने का भी शौक है, तो आप प्लांट बेस्ड फूड्स से लेकर नई तरह की डिशेज आदि के बारे में लिख सकते हैं या फिर नए ट्रेन्ड्स के बारे में लोगों को बता सकते हैं। आप ना केवल अलग-अलग पब्लिकेशन के लिए लिख सकते हैं, बल्कि फूड ब्लॉगिंग कर सकते हैं या फिर खुद का यूट्यूब चैनल खोल सकते हैं। जैसे-जैसे आप लोगों को प्लांट बेस्ड डाइट से जुड़ी नई जानकारियां और डिशेज आदि के बारे में बताते हैं, लोग आपसे जुड़ते चले जाते हैं। इससे आपको पैसे के साथ-साथ पब्लिसिटी भी मिलती है।

पॉडकास्टिंग में करियर शुरू करने से पहले जान लें ये चार टिप्स, मिलेगी अपार सफलता

आज के समय में पॉडकास्टिंग का चलन काफी ज्यादा बढ़ गया है और लोग इसे सिर्फ शौक के लिए ही नहीं करते हैं, बल्कि अब इस फील्ड को एक करियर ऑप्शन के रूप में देखा जाने लगा है। जहां पर आप अपनी क्रिएटिविटी को एक नए अंदाज में लोगों के सामने पेश कर सकते हैं और पैसे के साथ-साथ अच्छा-खासा नाम भी कमा सकते हैं। यह एक ऐसी दुनिया है, जिसमें आपको यकीनन काफी मज़ा आने वाला है।

यूं तो इसके लिए किसी प्रोफेशनल कोर्स की जरूरत नहीं होती है और आज के समय में बहुत से लोग इस फील्ड में काम कर रहे हैं। लेकिन एक सफल पॉडकास्ट बनाने के लिए आपको अपनी मेहनत, समय और क्रिएटिविटी को इस्तेमाल करना पड़ता है। लेकिन एक बार जब आप लोगों को पसंद आने लगते हैं तो लोग आपका वास्तव में इंतजार करना शुरू कर देते हैं। पॉडकास्टिंग के फील्ड में सफल करियर बनाने के लिए कुछ बातों का खास ख्याल रखना जरूरी है, जिसके बारे में आज हम आपको इस लेख में बता रहे हैं-

तय करें एरिया

अगर सच में आप पॉडकास्टिंग फील्ड में अपनी एक अलग पहचान बनाना चाहते हैं तो यह बेहद जरूरी है कि आप सबसे पहले किसी एक फील्ड को चुनें। पॉडकास्टिंग फील्ड बहुत बड़ी है, ऐसे में आप हर फील्ड को नहीं चुन सकते। फिर चाहे वह फिटनेस हो, टेक हो या स्टोरीटेलिंग हो, आप किसी एक ऐसे एरिया को चुनें, जो आपको काफी अच्छा लगता है। अगर आप कोई खास क्षेत्र चुनते हैं, तो इससे आपको एक खास ऑडियंस को आकर्षित करने में मदद मिलती है। इतना ही नहीं, इससे आप समय के साथ विषय के एक्सपर्ट कहलाने लगते हैं, जिससे कहीं ना कहीं आपकी विश्वसनीयता भी बढ़ती है।

रहें कंसिस्टेंट

जब आप पॉडकास्ट शुरू कर रहे हैं तो यह बेहद जरूरी है कि आप कंसिस्टेंसी बनाए रखें। चाहे आप सप्ताह में या फिर पन्द्रह दिन में अपलोड करें, लेकिन शेड्यूल पर टिके रहें। इससे ऑडियंस के साथ एक विश्वास बनता है, क्योंकि उन्हें पता होता है कि उन्हें कब नया कंटेंट देखने को मिलेगा। साथ ही, अगर उन्हें आपका काम पसंद आता है तो वे आपके अगले एपिसोड का इंतजार भी करते हैं।

ऑडियंस को भी करें शामिल

पॉडकास्टिंग का मतलब सिर्फ अपनी बात को कह देना ही नहीं है, बल्कि आपको अपने श्रोताओं के साथ भी एक रिलेशन बनाने की कोशिश करनी चाहिए। इसके लिए उन्हें एंगेज करना बेहद जरूरी है। कोशिश करें कि आप उनके कमेंट का जवाब दें, फ़ीडबैक मांगें और उन्हें अपने एपिसोड में शामिल करें। चाहे सोशल मीडिया के ज़रिए हो या ईमेल के ज़रिए, ऑडियंस की भागीदारी से एक कम्युनिटी बिल्डअप करने में मदद मिलती है। साथ ही साथ, जब आप अपनी ऑडियंस से फीडबैक लेते हैं तो इससे आपको अपने कंटेंट को और भी ज्यादा बेहतर बनाने में मदद मिलती है, क्योंकि आपको यह समझ में आता है कि लोगों को ज्यादा क्या पसंद आता है।

कंटेंट पर करें फोकस

अगर आप सच में अपने पॉडकास्ट चैनल को समय के साथ आगे बढ़ते हुए देखना चाहते हैं तो इसके लिए कंटेंट पर फोकस करना बेहद जरूरी है। कोशिश करें कि आप किसी भी एपिसोड से पहले उसके कंटेंट पर खासा काम करें। इसके लिए आप अच्छी तरह से रिसर्च जरूर करें। ध्यान रखें कि अच्छा कंटेंट ही ऑडियंस को बार-बार वापस आने के लिए मजबूर करता है। इतना ही नहीं, जब आप अपने पॉडकास्ट कंटेंट पर मेहनत करते हैं तो इससे आप बाकी सभी चैनल से कुछ अलग व नया करते हैं, जो लोगों को काफी पसंद आता है।

साइकोलॉजी के फील्ड में बनाना है करियर तो इन ऑप्शन्स को करें एक्सप्लोर

साइकोलॉजी एक ऐसी फील्ड है, जो बेहद ही एक्साइटिंग है। इसमें आप लोगों की सोच और उनके व्यवहार को गहराई से समझने की कोशिश करते हैं। साथ ही साथ, उनके मेंटल हेल्थ स्ट्रगल्स को भी ठीक करने में भी अपनी सक्रिय भूमिका निभाते हैं। यह फील्ड बहुत ही वर्सेटाइल है, जिसमें आप क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट से लेकर स्पोर्ट्स साइकोलॉजिस्ट तक कई तरह की फील्ड को चुन सकती हैं और अपने करियर को आगे बढ़ा सकती हैं। इस फील्ड में आप अपनी पसंद व प्राथमिकताओं के आधार पर आगे बढ़ सकते हैं। फिर चाहे आप लोगों के साथ आमने-सामने काम करना पसंद करते हों या रिसर्च करना चाहते हों या फिर एथलीट्स को उनका बेस्ट देने में मदद करना चाहते हों, साइकोलॉजी में आपके पास ऑप्शन्स की कोई कमी नहीं है।

क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट

क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट मुख्य रूप से लोगों की मेंटल हेल्थ कंडीशन को बेहतर बनाने पर काम करते हैं। वे एंग्जाइटी से लेकर सिज़ोफेनिया जैसी गंभीर मेंटल हेल्थ प्रोब्लम्स से निपटने में मदद करते हैं। वे खुद का क्लिनिक खोलकर अकेले भी काम कर सकते हैं या फिर हॉस्पिटल्स में अपनी सर्विसेज दे सकते हैं। अगर आपको लोगों की मदद करना अच्छा लगता है तो आप बतौर क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट अपना भविष्य देख सकते हैं।

स्कूल साइकोलॉजिस्ट

यदि आपको बच्चों के साथ काम करना पसंद है, तो स्कूल साइकोलॉजी में करियर बनाना अच्छा ऑप्शन हो सकता है। स्कूल साइकोलॉजिस्ट एक लाइसेंस मेंटल हेल्थ प्रोफेशनल्स होते हैं और वे बच्चों से लेकर टीचर्स और पैरेंट्स की एकेडमिक, सोशल और इमोशनल जरूरतों को समझते हुए उन्हें पूरा करने में मदद करते हैं। वे टीचर्स और पैरेंट्स के साथ मिलकर बच्चों की ग्रोथ को सपोर्ट करने के लिए स्ट्रैटेजी बनाते हैं।

फोरेंसिक साइकोलॉजिस्ट

साइकोलॉजी के फील्ड में फोरेंसिक साइकोलॉजिस्ट बनना भी एक अच्छा विचार हो सकता है। वास्तव में फोरेंसिक साइकोलॉजिस्ट लीगल सिस्टम के साथ काम करते हैं और उन्हें अपराधी के व्यवहार को समझने में मदद करते हैं। यहां तक कि क्रिमिनल इनवेस्टिगेशन में भी मदद करते हैं। इस तरह वे साइकोलॉजी को कानून के साथ जोड़ने की एक कड़ी के रूप में काम करते हैं।

स्पोर्ट्स साइकोलॉजिस्ट

अगर आप खेलों में रुचि रखते हैं और यह जानना पसंद करते हैं कि माइंड परफार्मेंस को कैसे प्रभावित करता है, तो स्पोर्ट्स साइकोलॉजी एक बेहतर फील्ड हो सकता है। यह एक उभरता हुआ फील्ड है, जिसमें प्रोफेशनल एथलीट्स को उनकी परफार्मेंस बेहतर बनाने से लेकर प्रेशर से डील करने और इंजरीज को रिकवर करने के लिए मेंटल स्ट्रैटेजी पर फोकस करते हैं।

रिसर्च साइकोलॉजिस्ट

रिसर्च साइकोलॉजिस्ट एक्सपेरिमेंट्स से लेकर डेटा के साथ काम करना पसंद करते हैं। ये साइकोलॉजिस्ट यूनिवर्सिटीज, रिसर्च इंस्टीट्यूट्स या फिर प्राइवेट सेक्टर्स में काम करते हैं। वे ये समझने के लिए अध्ययन करते हैं कि व्यक्ति कैसे सोचते हैं, महसूस करते हैं और व्यवहार करते हैं।

बांग्लादेशी गायक जेम्स के कॉन्सर्ट पर भीड़ ने किया हमला

● पत्थर बरसाने और हमला करने के बाद कार्यक्रम को रद्द कर दिया गया

ढाका, एजेंसी।
बांग्लादेश के दिग्गज गायक जेम्स के फरीदपुर में होने वाले एक कार्यक्रम में शुक्रवार की रात को भीड़ ने हमला कर दिया। आयोजकों की ओर से पूरी तैयारियों के बावजूद भीड़ के पत्थर बरसाने और हमला करने के बाद कार्यक्रम को रद्द कर दिया गया।

डेली स्टार की रिपोर्ट के मुताबिक गायक जेम्स का कॉन्सर्ट शुक्रवार को रात करीब 9 बजे फरीदपुर जिला स्कूल परिसर में स्कूल की 185वीं वर्षगांठ के मौके पर आयोजित किया जाना था। आयोजन समिति के मुताबिक प्रवेश देने से मना किए जाने के बाद बाहरी लोगों के एक समूह ने कार्यक्रम स्थल में जबरन घुसने का प्रयास किया।

हमलावरों ने की पत्थरबाजी, मंच पर कब्जा करने की कोशिश

इन लोगों ने रोके जाने पर कथित तौर से ईंट-पत्थर फेंकना शुरू कर दिया। भीड़ ने मंच पर कब्जा करने की कोशिश की। फरीदपुर जिला स्कूल के छात्रों ने हमले का विरोध किया, जिसकी वजह से हमलावरों को पीछे हटना पड़ा। रात करीब 10 बजे आयोजन समिति के संयोजक मुस्तफिजुर रहमान शमीम ने फरीदपुर के पुलिस उपायुक्त के निर्देश पर संगीत कार्यक्रम रद्द करने का एलान किया। समिति के राजिबुल हसन खान ने बीडीन्यूज24 को बताया, 'हमने जेम्स के संगीत कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली थीं। लेकिन हमें अभी भी समझ नहीं आ रहा है कि हमला क्यों हुआ, इसकी वजह क्या थी या इसके पीछे कौन था।' उन्होंने आगे बताया कि घटना के दौरान ईंटों की चपेट में आने से फरीदपुर जिला स्कूल के कम से कम 15 से 20 छात्र घायल हो गए।

कौन हैं बांग्लादेश के गायक जेम्स?

फारुक महफूज अनम को जेम्स के नाम से जाना जाता है। जेम्स बांग्लादेश के गायक-गीतकार, गिटारवादक और संगीतकार हैं। उन्होंने कई हिंदी फिल्मों में भी गाने गाए हैं, जैसे फिल्म 'गैंगस्टर' का 'भीगी भीगी' और फिल्म 'लाइफ इन ए मेट्रो' का 'अलविदा'। वे बांग्लादेश में बेहद लोकप्रिय हैं। बांग्लादेश की निर्वासित लेखिका तस्लीमा नसरीन ने इस घटना के बारे में लिखते हुए बांग्लादेश में पनप रहे इस चलन की कड़ी निंदा की। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में तस्लीमा नसरीन ने कहा, 'सांस्कृतिक केंद्र छायानाट को जलाकर राख कर दिया गया है। उदिची - वह संगठन जिसका गठन संगीत, रंगमंच, नृत्य, कविता पाठ और लोक संस्कृति को बढ़ावा देकर धर्मनिरपेक्ष और प्रगतिशील चेतना को पोषित करने के लिए किया गया था - उसे भी जलाकर राख कर दिया गया है। आज जिहादियों ने मशहूर गायक जेम्स के एक कार्यक्रम को रोक दिया।' वह ढाका में कार्यक्रम प्रस्तुत किए बिना भारत लौट गए और कहा कि जब तक कलाकार, संगीत और सांस्कृतिक संस्थान सुरक्षित नहीं हो जाते, तब तक वे बांग्लादेश नहीं आएंगे।' स्थिति बेकाबू होते देख फरीदपुर जिला प्रशासन ने हस्तक्षेप किया। रात करीब 10 बजे आयोजन समिति के संयोजक डॉ. मुस्तफिजुर रहमान शमीम ने मंच से ऐलान किया कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए जिला उपायुक्त के निर्देश पर जेम्स का कॉन्सर्ट रद्द किया जा रहा है।

शादी से पहले प्रेग्नेंट होने पर 4000 रुपये का जुर्माना

● गांव के नियम देख लोग दंग

बीजिंग, एजेंसी।
चीन के एक छोटे से गांव में शादी और अन्य रिश्तों को लेकर एक ऐसे नियम बनाए गए हैं, जिसको लेकर इंटरनेट पर लोग विभिन्न प्रकार की चर्चा कर रहे हैं। लोगों ने कहा कि इंसानी जीवन को नियमों के ऐसे बंधन में बांधना ठीक नहीं है। कई लोगों ने माना की ये नियम सामान्यतः लोगों को अपराधी महसूस करा रहे हैं।

दरअसल, ये पूरा विवाद दक्षिण-पश्चिम चीन के युन्नान प्रांत के लिंखांग गांव से शुरू हुआ है। गांव के नागरिकों के लिए बनाए गए कई नियम इंटरनेट पर लोगों के गले से नीचे नहीं उतर रहा है। यहां पर गांव के नियमः सब बराबर हैं के शीर्षक से एक नोटिस पूरे गांव में चस्पा किया गया है। ये नोटिस अब सोशल मीडिया पर वायरल है। साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की एक रिपोर्ट के अनुसार,

इस नोटिस में शादी, प्रेग्नेंसी और पर्सनल बर्ताव से जुड़े कई जुर्माने के बारे में जिक्र किया गया था। इसके बाद एक बड़ी बहस छिड़ गई।

इंटरनेट पर वायरल हुई नोटिस की तस्वीर के अनुसार, जो लोग जो लोग युन्नान प्रांत के बाहर किसी से शादी करेंगे, उन पर 1,500 युआन का जुर्माना लगेगा। जो महिलाएं शादी से पहले प्रेग्नेंट हो जाएंगी, उन पर 3,000 युआन का जुर्माना लगेगा। बिना शादी के साथ रहने वाले कपल्स पर सालाना 500 युआन का जुर्माना लगेगा।

नोटिस में यह भी कहा गया है कि अगर किसी भी जोड़े की शादी के 10 महीने के भीतर ही बच्चा पैदा होता है, तो माता पिता पर 3,000 युआन का जुर्माना लगेगा। नियमों के अनुसार, अगर कपल झगड़ा करता है और इस विवाद को सुलझाने के लिए गांव में अधिकारियों का आना होता है।

मलयेशिया के पूर्व नेता नजीब रजाक को 15 साल की जेल और भारी जुर्माना

कुआलालंपुर, एजेंसी। जेल में बंद मलयेशिया के पूर्व प्रधानमंत्री नजीब रजाक को शुक्रवार को 1एमडीबी राज्य निवेश कोष से अरबों डॉलर की लूट से जुड़े उनके सबसे बड़े भ्रष्टाचार मुकदमे में दोषी ठहराए जाने के बाद 15 साल की सजा और 13.5 अरब रिंगिट (3.3 अरब अमेरिकी डॉलर) का भारी जुर्माना और संपत्ति जब्त करने का आदेश दिया गया। देश के उच्च न्यायालय ने 72 वर्षीय नजीब को सत्ता के दुरुपयोग के चार मामलों और फंड से उनके व्यक्तिगत बैंक खातों में स्थानांतरित किए गए 700 मिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक की धनराशि से संबंधित मनी लॉन्ड्रिंग के 21 आरोपों में दोषी पाया। न्यायमूर्ति कॉलिन लॉरेंस सेक्वेरा ने नजीब को सत्ता के दुरुपयोग के प्रत्येक आरोप के लिए 15 साल और मनी लॉन्ड्रिंग के प्रत्येक आरोप के लिए पांच साल की जेल की सजा सुनाई। ये सजाएं साथ-साथ चलेंगी, जिसका मतलब है कि उसे 15 साल और जेल में बिताने होंगे। जज ने कहा कि नई सजा मामले में उसकी मौजूदा सजा खत्म होने के बाद शुरू होगी। उन्होंने सत्ता के दुरुपयोग के आरोपों के लिए नजीब पर कुल 11.4 अरब रिंगिट (2.8 अरब अमेरिकी डॉलर) का जुर्माना लगाया। इसके अलावा, उन्होंने मनी लॉन्ड्रिंग कानूनों के तहत नजीब से 2.08 अरब रिंगिट (514 मिलियन अमेरिकी डॉलर) की संपत्ति बरामद करने का भी आदेश दिया। यदि नजीब भुगतान करने में विफल रहते हैं, तो उन्हें कई वर्षों तक जेल में रहना पड़ सकता है।

अमेरिका में भारतीय मूल का छात्र गिरफ्तार

आगजनी और आतंकवादी धमकी देने का आरोप

वाशिंगटन, एजेंसी।
अमेरिका में पुलिस ने एक भारतवंशी छात्र को गिरफ्तार किया है। उसपर आगजनी और धमकी देने का आरोप है। अधिकारियों का कहना है कि आरोपी ने कथित तौर पर कई दिन पहले घर को आग लगाने की कोशिश की थी।

डलास स्थित टेक्सास विश्वविद्यालय के छात्र मनोज साई लेल्ला को सोमवार को पुलिस ने गिरफ्तार किया। मनोज पर एक घर या पूजा स्थल को नुकसान पहुंचाने के इरादे से आगजनी का आरोप है।

मनोज पर क्या हैं आरोप?

मनोज के परिवार ने उसके खिलाफ शिकायत दर्ज की है। मनोज के परिवार का कहना है कि वो मानसिक स्वास्थ्य की समस्या से ग्रसित है। उसने कुछ दिन पहले घर में आग लगाने की कोशिश की थी और अब परिवार के लोगों को जानलेवा धमकी दे रहा है। मनोज पर लगे आरोप प्रथम श्रेणी की गंभीर अपराधों में शामिल हैं। उसने परिवार और घर के सदस्यों को आतंकवादी धमकियां दी हैं, जो ए श्रेणी के अपराध हैं। अमेरिकी पुलिस के अनुसार, पूजा स्थल को धमकी देने के सबूत अभी नहीं मिले हैं। लेकिन, अगर मनोज का अपराध साबित होता है तो उसे जमानत राशि के रूप में 1 लाख डॉलर (लगभग 90 लाख रुपये) और 3,500 डॉलर (लगभग 3 लाख रुपये) का जुर्माना देना पड़ सकता है।

प्लेन की स्पीड से दौड़ी ट्रेन

● 2 सेकंड में पकड़ी 700 किमी की स्पीड; चीन ने गजब कर दिया

बीजिंग, एजेंसी।
ट्रेन की स्पीड को लेकर चीन ने एक नया रिकॉर्ड कायम किया है। चीन ने अपनी सबसे तेज मैगलेव ट्रेन का ट्रायल किया है। इस ट्रेन ने केवल दो सेकंड में 700 द्यद्व/द्ध की स्पीड हासिल कर ली। इस ट्रेन ने स्पीड के मामले में एक नया आयाम स्थापित कर दिया है।इस ट्रेन की गति इतनी तेज है कि यह आपके समझने से पहले ही आखों के सामने से ओझल हो जाती है। जानकारी के अनुसार, चीन की नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ़ डिफेंस टेक्नोलॉजी के रिसर्चर्स ने एक मैग्नेटिक लेविटेशन ट्रेन पर एक टेस्ट किया। इस ट्रेन का वजन 1 टन से अधिक है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, यह टेस्ट 400-मीटर (1,310-फुट) मैगलेव ट्रैक पर किया गया था। यह ट्रेन अपनी हाई स्पीड पर पहुंचने के

बाद कुछ देर चली और फिर इसको रोका गया। सभी चरणों में ट्रेन सुरक्षित रही। यह अब तक की सबसे तेज़ सुपरकंडक्टिंग इलेक्ट्रिक मैगलेव ट्रेन बन गई है। ट्रेन के ट्रायल के दौरान का एक वीडियो भी सामने आया है। इंटरनेट पर वायरल हुए इस वीडियो में ट्रेन चांदी की बिजली की तरह तेजी से गुजरती हुई दिख रही है। हालांकि, इस ट्रेन को नंगी आंखों से देखना लगभग नामुमकिन है। वहीं, पीछे एक पतली धुंधली लकीर छोड़ जाती है। यह किसी साइंस फिक्शन फिल्म के सीन जैसा लगता है। बता दें कि ट्रेन सुपरकंडक्टिंग मैग्नेट का इस्तेमाल करके ट्रैक के ऊपर तैरती है, जो इसको बिना पटरियों को छुए ऊपर उठाती है और आगे धकेलती है। बताया जा रहा है कि इस ट्रेन का एक्सीलरेशन इतना ज्यादा पावरफुल बै रि यह रॉकेट को भी लॉन्च करने की क्षमता रखता है। इस स्पीड से, मैगलेव लंबी दूरी के शहरों को मिनटों में जोड़ सकती है। साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की एक रिपोर्ट के अनुसार, यह अल्ट्रा-हाई-स्पीड इलेक्ट्रोमैग्नेटिक प्रोपल्शन, इलेक्ट्रिक सस्पेंशन गाइडेंस, ट्रांजिएंट हाई-पावर एनर्जी स्टोरेज इनवर्जन, और हाई-फील्ड सुपरकंडक्टिंग मैग्नेट सहित मुख्य तकनीकी चुनौतियों को हल करता है।

बॉर्डर खोल दो, हमें बचा लो...; बांग्लादेश में फंसे हिंदुओं की भारत से गुहार

● बांग्लादेश के हिंदूओं को सता रही इस बात की चिंता

ढाका, एजेंसी।
बांग्लादेश एक बार फिर से भी हिंसा की आग में झुलस रहा है। बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों को निशाना बनाया जा रहा है। हाल में दीपू चंद्र दास और अमृत मंडल की भयावह हत्या कर दी गई। इस बीच त्रस्त बांग्लादेश में फंसे और सताए जा रहे हिंदू नागरिक आतंक से बचने के लिए भारत से सीमाएं खोलने की गुहार लगा रहे हैं।

इस बीच निर्वासित बांग्लादेश सनातन जागरण मचा नेता निहार हलदर की मदद से रंगपुर, चटगांव, ढाका और मयमनसिंह में रहने वाले हिंदू नागरिकों से बातचीत की गई। टीओआई के हवाले से बताया गया कि व्हाट्सएप कॉल पर इन लोगों ने बात की गई।

रंगपुर के एक 52 वर्षीय निवासी का कहना है कि वे अपने धर्म के

कारण लगातार अपमान सह रहे हैं। उन्होंने बताया कि ड़क पर चलते समय हमें जो ताने सुनने को मिलते हैं, वे जल्द ही भीड़ द्वारा की जाने वाली हत्याओं में तब्दील हो सकते हैं।

आगे कहा कि अल्पसंख्यक हिंदुओं का कहना है कि हम फंस गए हैं और हमारे पास जाने के लिए कोई जगह नहीं है। हम इसलिए अपमान सह रहे हैं, क्योंकि हमें डर है कि जो दीपू या अमृत का हुआ वैसा हाल हमारा ना हो जाए।

वहीं, ढाका के रहने वाले एक अन्य हिंदू निवासी ने कहा कि अगर दीपू दास की पीट-पीटकर हत्या ने डर पैदा किया है, तो पूर्व राष्ट्रपति खालिदा जिया के बेटे तारिक रहमान की बांग्लादेश वापसी ने उन्हें और भी चिंतित कर दिया है। अगर बीएनपी सत्ता में आती है, तो हमें और भी उत्पीड़न का सामना करना पड़ सकता है। शेख हसीना की अवामी लीग ही हमारी एकमात्र रक्षक थी। सनातन जागरण मचा के एक कार्यकर्ता ने नाम न छापने की शर्त पर कहा कि बांग्लादेश में कुल 25 लाख हिंदू आबादी है। इस संख्या को छोटा नहीं आका जा सकता है। भारत में हिंदू संगठन दिखावे की बातें कर रहे हैं, कुछ नहीं। हम एक नरसंहार की ओर बढ़ रहे है। वहीं, मयनसिंह के एक निवासी का कहना है कि ऐसा नहीं है कि सीमाएं खुलने के बाद हिंदुओं का पलायन होगा, लेकिन कम से कम हम हिंसा से सुरक्षित तो रहेंगे।

फ्लाइट में अजनबी ने सीट बदलने को बोला तो लड़की ने मान ली बात, फिर कुछ देर बाद पता लगी ऐसी बात...

लंदन, एजेंसी। हवाई यात्रा के दौरान अपनी पसंद की सीट चुनना अब एक आम बात है लेकिन क्या हो जब कोई आपके ऊपर दबाव बनाकर आपकी वो सीट छीन ले? हाल ही में एक इंटरनेशनल फ्लाइट में एक युवा लड़की के साथ कुछ ऐसा ही हुआ जिसकी कहानी उसके पिता ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर शेयर की। यह पोस्ट अब इंटरनेट पर बहस का विषय बन गई है। एक पिता ने अपनी बेटी की पहली सोलो (अकेले) इंटरनेशनल ट्रिप को आरामदायक बनाने के लिए डेल्टा एयरलाइंस के प्रीमियम केबिन में टिकट बुक किया था। पिता ने अपने माइल्स खर्च करके 2-4-2 कॉनफ़िगरेशन वाली फ्लाइट में आइल सीट चुनी थी ताकि उनकी बेटी को लंबी उड़ान के दौरान उठने-बैठने में आसानी रहे। पहली बार अकेले विदेश जा रही बेटी के लिए यह सीट सुरक्षा और सुविधा के लिहाज से चुनी गई थी। फ्लाइट शुरू होते ही खिड़की वाली सीट पर बैठे एक यात्री ने लड़की से सीट बदलने की गुजारिश की। उस व्यक्ति का कहना था कि उसकी पत्नी बीच वाले सेक्शन में बैठी है और वह उसके साथ बैठना चाहता है। लड़की ने पहले मना किया लेकिन उस व्यक्ति के बार-बार आग्रह और दबाव के आगे वह झुक गई। विवाद से बचने के लिए उसने अपनी आरामदायक प्रीमियम सीट छोड़ दी और बीच वाले सेक्शन में चली गई।

ऑस्ट्रेलिया बना खालिस्तानियों का नया अड्डाः निशाने पर प्रवासी भारतीय, खुफिया एजेंसियों का अहम अलर्ट जारी

सिडनी, एजेंसी। भारतीय खुफिया एजेंसियों ने खालिस्तान समर्थक गतिविधियों को लेकर एक अहम अलर्ट जारी किया है। एजेंसियों के अनुसार, कनाडा और ब्रिटेन में हाल के महीनों में सख्ती और कूटनीतिक दबाव बढ़ने के बाद खालिस्तानी नेटवर्क ने अपनी गतिविधियों का केंद्र ऑस्ट्रेलिया की ओर स्थानांतरित कर दिया है।सुरक्षा अधिकारियों का कहना है कि कनाडा और यूके में खालिस्तान समर्थक गतिविधियों की रफ्तार अब धीमी पड़

रही है, लेकिन ऑस्ट्रेलिया में हाल के महीनों में तेजी से उभार देखने को मिला है। खालिस्तानी तत्व बड़ी मात्रा में संसाधन और प्रचार अभियान अब ऑस्ट्रेलिया में झोंक रहे हैं, जिसका सबूत वहां हुई हालिया हिंसक और उकसाऊ घटनियां हैं। खुफिया रिपोर्ट के मुताबिक, ऑस्ट्रेलिया में पहले भी तथाकथित रेफरेंडम कराए गए थे, लेकिन जुलाई, अगस्त और दिसंबर में इन गतिविधियों का स्तर असाधारण रूप से बढ़ गया

जिस गांव में था सिर्फ बिल्लियों का राज वहां 30 साल बाद पहली बार गूंजी किलकारी

रोम, एजेंसी। इटली के एब्रुज़ो पर्वतमाला की ऊंचाइयों पर बसा एक छोटा सा गांव पगलियारा देई मारसी इन दिनों पूरी दुनिया में चर्चा का विषय बना हुआ है। दशकों से वीरान पड़ी इस गांव की गलियों में जहां सिर्फ बिल्लियों का राज हुआ करता था वहां करीब 30 साल बाद एक बच्चे के जन्म ने नई उम्मीद जगाई है। लारा नाम की इस छोटी सी बच्ची का जन्म केवल एक परिवार की खुशी नहीं बल्कि इटली के गहरे होते जनसंख्या संकट के बीच एक बड़ी खबर है।

पगलियारा देई मारसी की स्थिति इटली के कई ग्रामीण इलाकों की कहानी बयां करती है। यहां की आबादी इतनी कम हो गई थी कि इंसानों से ज्यादा बिल्लियां नजर आती थीं। ये बिल्लियां खाली घरों की दीवारों और सुनसान गलियों में आजादी से घूमती थीं। दशकों से यहां न तो किसी बच्चे के खेलने की आवाज सुनाई दी और न ही स्कूलों की रौनक दिखी। गांव में ज्यादातर बुजुर्ग ही बचे थे। इटली इस समय यूरोप के सबसे खराब बर्थ रेट संकट से जूझ रहा है। नेशनल स्टैटिस्टिक्स एजेंसी के आंकड़े चौंकाने वाले हैं:

सबसे कम जन्म दरः 2024 में इटली में केवल 3,69,944 बच्चे पैदा हुए, जो अब तक का सबसे निचला स्तर है। फर्टिलिटी रेटः इटली में प्रति महिला प्रजनन दर गिरकर 1.18 रह गई है जो यूरोपीय संघ में सबसे कम 2025 की स्थितिः शुरुआती आंकड़ों के अनुसार 2025 के पहले सात महीनों में जन्म दर में पिछले साल की तुलना में 10.2त्न की और गिरावट आई है। एब्रुज़ो क्षेत्र इस संकट का सबसे बड़ा केंद्र बनकर उभरा है। हमने पीढ़ी दर पीढ़ी अपने लोगों को खोया है। बुजुर्ग चले गए और उनकी जगह लेने वाला कोई नहीं बचा। लारा का आना हमारे लिए एक चमत्कार जैसा है लेकिन हम जानते हैं कि आर्थिक और सामाजिक कारणों से आज के समय में परिवार बढ़ाना लोगों के लिए कितना मुश्किल फैसला हो गया है। सिकुड़ते समुदाय और खाली होते क्लासरूम इटली की सार्वजनिक सेवाओं पर भारी दबाव डाल रहे हैं क्योंकि वहां की आबादी तेजी से बूढ़ी हो रही है।

संक्षिप्त समाचार

न्यूयॉर्क में इमरजेंसी घोषित! भारी बर्फबारी और तूफान ने लोगों को किया परेशान

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिका के न्यूयॉर्क राज्य में भारी बर्फबारी और सर्दियों के तूफान ने आम ज़िंदगी को पूरी तरह से अस्त-व्यस्त कर दिया है। मौसम की गंभीरता को देखते हुए, गवर्नर कैथी होचुल ने राज्य के आधे से ज़्यादा हिस्से में स्टेट ऑफ़ इमरजेंसी घोषित कर दिया है। यह फ़ैसला लोकल एजेंसियों को बचाव काम के लिए ज़रूरी संसाधन और मदद देने के लिए लिया गया है। इमरजेंसी खास तौर पर ब्रूम, चेनैंगो, डेलावेयर, ओटसेगो, कोर्टलैंड और कई दूसरी काउंटियों के लिए घोषित की गई है। न्यूयॉर्क सिटी, लॉन्ग आइलैंड और मिड-हडसन इलाकों में 4 से 8 इंच बर्फ़ गिरने की उम्मीद है। इसके अलावा, सदर्न टियर और कैपिटल रीजन में 3 से 6 इंच बर्फ़ गिर सकती है, जबकि कुछ इलाकों में यह आंकड़ा 8 इंच तक जा सकता है। तेज़ हवाएं और सड़कों की हालत खतरनाक बर्फबारी के साथ-साथ, राज्य में 25 से 35 मील प्रति घंटे की रफ़्तार से तेज़ हवाएं चलने की भी चेतावनी दी गई है। मौसम विभाग के अनुसार, शुक्रवार को शाम 6 बजे से आधी रात के बीच सबसे ज़्यादा बर्फबारी होने की उम्मीद है। इस दौरान विज़िबिलिटी बहुत कम हो सकती है, जिससे सड़कों पर सफ़र करना बेहद खतरनाक साबित हो सकता है।

उत्तर-पश्चिमी पाकिस्तान में पुलिस के साथ झड़प में 6 आतंकवादी मारे गए

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में शुक्रवार को पुलिस के साथ हुई मुठभेड़ में कम से कम छह आतंकवादी मारे गए और कई अन्य घायल हो गए। लक्की मारवत जिले में आतंकवादियों द्वारा स्नाइपर राइफलों और क्वाडकॉप्टर हमलों से पुलिस पर हमला करने के बाद गोलीबारी शुरू हो गई। बन्नू के क्षेत्रीय पुलिस कार्यालय के एक बयान में कहा गया है कि आतंकवादियों ने 'क्वाडकॉप्टर हमलों के जरिए ग्रामीणों के घरों को भी निशाना बनाया ', जिसके परिणामस्वरूप 'नागरिक हताहत' हुए। इसमें कहा गया है कि आतंकवाद विरोधी विभाग के कमांडो और हथियारबंद स्थानीय लोगों ने गोलीबारी में पुलिस की सहायता की। पुलिस के बयान में कहा गया है, 'स्नाइपर राइफलों और क्वाडकॉप्टरों से लैस आतंकवादियों ने बन्नू जिले की सीमा से लगे ग्रामीण इलाके में पुलिस पर हमला किया, जो सेराई नौरंग कस्बे के शहीद असमतुल्लाह खान खट्टक पुलिस स्टेशन की सीमा के भीतर स्थित है।' इसमें कहा गया है, 'इस हमले के परिणामस्वरूप भीषण गोलीबारी हुई और कानून प्रवर्तकों ने प्रभावी ढंग से जवाबी गोलीबारी की।' हालांकि आधिकारिक प्रेस विज्ञप्ति में पुलिसकर्मियों के हताहत होने के बारे में कोई विवरण नहीं दिया गया था, लेकिन इसमें कहा गया था कि 'सशस्त्र संघर्ष के दौरान, कानून प्रवर्तकों ने छह आतंकवादियों को मार गिराया और उनके कई साथी घायल हो गए'।

जापान में 50 से ज्यादा गाड़ियां टकराईं: कई गाड़ियां जलकर खाक

टोक्यो, एजेंसी। जापान में शुक्रवार देर रात बर्फीले मौसम के कारण बड़ा सड़क हादसा हुआ है। पुलिस के मुताबिक, कोहरे के कारण इलाके में विजिबिलिटी कम थी, जिसके चलते दो ट्रक आपस में टकरा गए। टक्कर के बाद एक्सप्रेसवे का एक हिस्सा ब्लॉक हो गया। पीछे से आ रही गाड़ियां बर्फीली सड़क पर समय रहते ब्रेक नहीं लगा सकीं और देखते ही देखते 50 से ज्यादा गाड़ियां आपस में भिड़ गए। टक्कर के बाद गाड़ियों में आग लग गई। हादसा गुन्मा प्रान्त के मिनाकामी कस्बे में कान-एत्सु एक्सप्रेसवे पर हुआ। इसमें 77 साल की बुजुर्ग महिला की मौत हो गई, जबकि 26 लोग घायल हो गए। हादसे के वक्त देश में साल के अंत और नए साल की छुट्टियों को लेकर भारी ट्रैफिक था। पुलिस ने बताया कि घायलों में से पांच की हालत गंभीर है। हादसे के बाद एक गाड़ी में आग लग गई।

खबर-खास

IMA NATCON 2025 में हृदय रोग विशेषज्ञों ने सैचुरेटेड फैट और पाम ऑयल पर वैज्ञानिक पुनर्विचार की मांग की

इंदौर :इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के 100वें राष्ट्रीय सम्मेलन (NATCON 2025) में देश के जाने-माने हृदय रोग विशेषज्ञों ने आहार वसा (डायटरी फैट्स) और हृदय स्वास्थ्य के पारस्परिक संबंधों पर विज्ञान-आधारित दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता जताई। विशेषज्ञों ने इस बात पर बल दिया कि बदलते वैज्ञानिक शोध के परिप्रेक्ष्य में पुरानी धारणाओं का पुनर्मूल्यांकन अनिवार्य है। IMA NATCON के इस शताब्दी सत्र में देशभर के हजारों चिकित्सकों और शोधकर्ताओं ने सहभागिता की, जिससे सार्वजनिक स्वास्थ्य की दिशा निर्धारित करने वाले एक प्रमुख मंच के रूप में इसकी भूमिका फिर से मजबूत हुई है। इस सम्मेलन मेंडॉ. वरुण बंसलऔरडॉ. केतन मेहताके विशेषज्ञ सत्रों ने उन विषयों पर चिकित्सकीय स्पष्टता प्रदान की, जिन्हें लेकर अक्सवर भ्रांतियाँ बनी रहती हैं। वैश्विक शोध और क्लिनिकल साक्ष्यों के आधार पर इन सत्रों में आहार वसा, पाम ऑयल और हृदय संबंधी रोगों (कार्डियोमेटाबॉलिक) के उपचारों का गहन विश्लेषण किया गया। एथेरोस्क्लेरोसिस, सैचुरेटेड फैट और पाम ऑयल: क्या वास्तव में इनका परस्पर संबंध है? विषय पर अपनी प्रस्तुति में डॉ. बंसल ने उन उनमान्यताओं पर प्रश्न उठाएजो सैचुरेटेड फैट को सीधे तौर पर हृदय रोगों काकारकमानती थीं। बहु-देशीय अध्ययनों का संदर्भ देते हुए उन्होंने स्पष्ट किया कि सभी सैचुरेटेड फैट पोषण की दृष्टि से एक समान नहीं होते। हृदय रोगों का जोखिम केवल किसी एक तत्व पर नहीं, बल्कि व्यक्ति की आहार पद्धति, जीवनशैली और कुल कैलोरी सेवन पर निर्भर करता है। उन्होंने यह भी बताया कि वसा के कुछ विकल्पों से कोलेस्ट्रॉल का स्तर कम हो सकता है, किंतु वे हृदय संबंधी मृत्यु दर को कम करने में सदैव प्रभावी नहीं रहे हैं। इसके विपरीत, 'ट्रांस फैट' की तुलना में पाम ऑयल के परिणाम कहीं अधिक सकारात्मक पाए गए हैं। डॉ. बंसल का यह सत्र विश्व स्वास्थ्य संगठन और आईसीएमआर-एनआईएन के उन दिशा-निर्देशों के अनुरूप रहा जो संतुलित आहार, विविध खाद्य तेलों के प्रयोग और इसके संयमित उपभोग पर बल देते हैं। डॉ. वरुण बंसलने कहा, पोषण विज्ञान को मात्र सरल लेबलों या सीमित परिभाषाओं में नहीं समेटा जा सकता। वर्तमान में डर से किसी खाद्य पदार्थ को छोड़ने के बजाय संतुलित आहार, विविधता और तथ्यों पर आधारित चुनाव करना अधिक महत्वपूर्ण है। इसी विमर्श को आगे बढ़ाते हुएडॉ. मेहताने कार्डियोमेटाबोलिक सिंड्रोम में पाम टोकोट्रिएनोल्स की भूमिका पर अपनी शोधपरक प्रस्तुति दी। उन्होंने भारत में मधुमेह, मोटापा, उच्च रक्तचाप और डिस्लिपिडेमिया के बढ़ते संकट की ओर संकेत किया। उन्होंने रेड पाम ऑयल में मौजूद विटामिन-ई के विशिष्ट स्वरूप, 'टोकोट्रिएनोल्स'पर प्रकाश डालते हुए इनके एंटीऑक्सीडेंट, एंटी-इंफ्लेमेटरी और हृदय-संरक्षी (कार्डियोप्रोटेक्टिव) गुणों के साक्ष्य प्रस्तुत किए। डॉ. मेहता ने पाम-आधारित टोकोट्रिएनोल्स कीसुरक्षित छवि का उल्लेख करते हुए बताया कि इन्हें यूएस एफ्डीए द्वारा GRAS की मान्यता प्राप्त है। उन्होंने जोर दिया कि जीवनशैली में सुधार और उपचार के साथ-साथ ये विज्ञान-सम्मत सहायक विकल्प के रूप में प्रभावी साबित हो सकते हैं।

नया साल, नई शुरुआत! कलर्स के एक्टर्स ने अपने 2026 के संकल्प बताए

कलर्स के मन्नत हर खुशी पाने की की आयशा सिंह ने बताया, जैसे कि हम 2025 को अलविदा कह रहे हैं, शुक्रगुजार होने के लिए बहुत कुछ है। दर्शकों ने ×स39;मन्नत हर खुशी पाने की×स39; को बहुत प्यार दिया है, और यह मेरे लिए बहुत मायने रखता है। मैं इस बात को लेकर उत्साहित हूँ कि लीप के बाद के ट्रैक में दर्शकों को और क्या- क्या शॉक्स और ट्विस्ट आने वाले हैं। जहाँ ऑनस्क्रीन मन्नत अपने माँ वाले दौर में आ गई है, वहीं मैं पर्सनली पहले से कहीं ज्यादा अपने सेल्फ-केयर वाले दौर में हूँ। मुझे लगता है कि हम सभी को अपने लिए समय देना चाहिए और अपनी फिजिकल और मेंटल हेल्थ पर ध्यान देना चाहिए। उम्मीद है कि 2026 में हम जिंदगी की छोटी-छोटी खुशियों को अपनाएँगे और बड़ी पिक्चर पर भी फोकस रखेंगे। मैं सभी को नए साल की बहुत-बहुत शुभकामनाएँ देती हूँ। कलर्स के मंगल लक्ष्मी×स39; में मंगल का किरदार निभाने वाली दीपिका सिंह ने बताया, यह साल मेरी जिंदगी का एक असली टर्निंग पॉइंट जैसा लगता है, जिसमें ऐसे पल आए जिन्हें मैं हमेशा याद रखूँगी। ×स39;मंगल लक्ष्मी को मिले अपार प्यार से मुझे बहुत हिम्मत मिली है, और इस रोल के लिए दादासाहेब फाल्के अवॉर्ड मिलना एक ऐसा मील का पत्थर है जिसे मैं हमेशा गर्व से याद रखूँगी। यह एक ऐसा साल भी था जिसने मुझे सच में परखा और मजबूत बनाया - मुझे डेंगू हो गया था, फिर भी मैं सिर्फदो दिन बाद शूटिंग पर लौट आई, और एक हफ्ते तक आठ-आठ घंटे काम किया। मेरे प्रोड्यूसर बहुत अच्छे थे कि उन्होंने मेरे लिए लिमिटेड घंटे तय किए। मैंने एस.पी. रजा सर से रिक्वेस्ट की कि वे मंगल की कहानी में कोई बदलाव न करें, उन्हें भरोसा दिलाया कि मैं आऊँगी, और मैं आई। उसी हिम्मत ने मुझे जॉर्जिया शेड्यूल में भी साथ दिया।

भाजयुमो ने भूपेश बघेल व टीएस सिंह्देव का पुतला फूंका

कांग्रेस नेता सनातन विरोधी हैं- मनीराम साहू

कवर्धा। प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल एवं पूर्व मंत्री टीएस सिंह द्वारा सनातन धर्म के धर्म गुरू धीरेन्द्र शास्त्री एवं सनातन के विरोध में दिए गए बयान को लेकर रविवार को भाजयुमो ने पूरे प्रदेश में दोनों कांग्रेस नेताओं का पुतला फूंका। यह कार्यक्रम प्रदेश अध्यक्ष राहुल योगराज टिकरिहा के निर्देशन एवं जिला भाजयुमो के अध्यक्ष मनीराम साहू के नेतृत्व में किया गया। भाजयुमो कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों ने श्री बघेल एवं श्री सिंहदेव का पुतला फूंका और जमकर नारेबाजी की।

जिला मुख्यालय कवर्धा स्थित सिग्नल चौक में पुतला फूंकने के बाद जिला भाजपा अध्यक्ष राजेन्द्र चन्द्रवंशी ने कहा कि सनातन धर्म सर्वे भवंतु सुखिन: और वसुधैव कुटुंबकम की अवधारणा के साथ संपूर्ण मानव जाति और विश्व के कल्याण की कामना करता है। ऐसे महान और विशाल हृदय वाले विराट सनातन धर्म के विरुद्ध अनुचित कथन कहने वाले को सनातन धर्मप्रेमी कभी क्षमा नहीं करेंगे। वहीं जिला भाजयुमो अध्यक्ष मनीराम साहू ने कहा कि सनातन धर्म का विरोध पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल व टीएस सिंह देव के साथ कई कांग्रेसी नेताओं ने किया है। भूपेश बघेल अंतर्राष्ट्रीय कथा वाचक पं. धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री का विरोध कर रहे है इससे स्पष्ट होता है कि कांग्रेस पार्टी के नेताओं को इनका विरोध करने का स्क्रीप्ट किसी ने दिया हो। उन्होंने कहा कि रामसेतु की जब बात आई तब कांग्रेसियों ने कहा कि यह काल्पनिक है, भगवान राम को कांग्रेसियों ने काल्पनिक कहा। राम मंदिर बनने और आमंत्रण मिलने के बाद भी गांधी-परिवार दर्शन करने नहीं गया। उन्होने कहा कि कांग्रेस हमेशा से सनातन धर्म को नीचा दिखाने और अपमानित करने का काम करती रही और अभी भी यह काम उसी के इशारे पर चल रहा है। प्रदेश उपाध्यक्ष भाजयुमो पीयूष ठाकुर ने कहा कि कांग्रेस की संस्कृति के अनुसार उसके नेता भूपेश बघेल एवं टीएस सिंहदेव द्वारा हमारे पूज्य साधु-संतों एवं सनातन संस्कृति के विरुद्ध अत्यंत अभद्र और आपत्तिजनक टिप्पणी की गई है।

पुतला दहन कार्यक्रम में मुख्य रूप से मनीराम साहू जिला अध्यक्ष भाजयुमो, पीयूष ठाकुर प्रदेश उपाध्यक्ष भाजयुमो, सचिन गुप्ता जिला महामंत्री भाजयुमो, तुकेश चंद्रवंशी, अजय ठाकुर, मिथलेश बंजारे, नीतिश चंद्रवंशी, सौरभ सिंह, अरविंद वर्मा, रामचरण साहू, मीनू साहू, दुर्गेश दुबे, अश्वन साहू, अमित चंद्रवंशी, दीपक ठाकुर, राकेश साहू, अनुसूचित जाति मोर्चा जिला अध्यक्ष महेंद्र घृतलहरे, लोकचंद साहू, सुनील दोषी, उमंग पांडे, राकेश साहू, राजेश साहू, भाजपा मंडल अध्यक्ष प्रकाश चंद्रवंशी, दिलीप घृतलहरे, दिलीप साहू सहित बड़ी संख्या में भाजयुमो के कार्यकर्ता व पदाधिकारी उपस्थित थे।

कांग्रेस स्थापना दिवस मनाय गया

गरियाबंद (समय दर्शन)। कांग्रेस के 141 वे स्थापना दिवस पर जिला अध्यक्ष सुखचंद बेसरा ने पार्टी कार्यालय में झंडा रोपण किया गया,वही इस अवसर पर बोले कि 28 दिसंबर 1885 को बॉम्बे में स्थापित हमारी संगठन ने देश की आजादी के बाद राष्ट्र निर्माण तक में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

गरियाबंद जिला मुख्यालय स्थित कांग्रेस जिला कार्यालय में आज जिला अध्यक्ष सुखचंद बेसरा के नेतृत्व में आज पार्टी के स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया गया।कार्यालय में संगठन के समस्त बलिदानी नेताओं को याद किया गया फिर पार्टी का झंडा रोपण कर स्थापना दिवस मनाया गया।इस बीच कांग्रेस ने जय कांग्रेस का नारा लगाते रहे, गरियाबंद ब्लॉक भर से पहुंचे पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए सुखचंद बेसरा ने कहा कि卐आज हम कांग्रेस के 141वें स्थापना दिवस पर इकत्रित हुए हैं। यह दिन हमारे लिए गर्व का दिन है, क्योंकि हमने देश की आजादी और विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।हमारे महान नेताओं ने हमें सिखाया है कि देश की सेवा करना हमारा पहला धर्म है। महात्मा गांधी, पंडित नेहरू, सरदार पटेल, नेताजी सुभाष चंद्र बोस और मौलाना आजाद जैसे नेताओं ने हमें संविधान और लोकतंत्र की रक्षा के लिए प्रेरित किया है।

आज, हम देश के सामने खड़ी चुनौतियों का सामना करने के लिए एकजुट हैं।नफरत,अन्याय और अत्याचार के खिलाफ लड़ने के लिए हम संकल्पबद्ध हैं। हम किसानों के अधिकारों की सुरक्षा, युवाओं के सशक्तिकरण और वंचित वर्गों के अधिकारों की रक्षा के लिए काम करेंगे।कांग्रेस पार्टी संवैधानिक मूल्यों की रक्षा एवं लोकतंत्र को मज़बूत करने के लिए संकल्पबद्ध है। हम देश को आगे बढ़ाने के लिए एकजुट हैं और हमें विश्वास है कि हम अपने लक्ष्यों को प्राप्त करेंगे।

इस आयोजन में प्रमुख रूप से युगल पाण्डे,छगन यादव पार्षद,सन्नी मेमन,राजेश साहू,अवध यादव डीलेश्वर देवगन,महेश्वर बघेल,मुकेश भाई,हरीश ठक्कर,सुजीत कुटारे,अर्जुन सोनवानी,पार्वती ध्रुव, शसविता गिरी गोस्वामी,प्रतिभा पटेल,ममता फूलझरे,जुनेद,लछमन चक्रधारी,महेंद्र राजपूत, प्रहलाद यादव,निक्की यादव,मुकेश यादव देबू देववेंद्र यादव,निराला,मिहुल पवार,उत्तम यादव बसंत यादव,मिथुन यादव बालमुकून यादव, तरुणा यादव,कादर,केदार,पारुल,सौरभ यादव आदि शामिल थे।

एसएस इनोवेशन्स इंटरनेशनल ने भारत की पहली रोबोटिक टेली-सर्जरी मैराथन की मेज़बानी की

नई दिल्ली: भारत की पहली स्वदेशी सर्जिकल रोबोटिक प्रणाली एसएसआईआई मंत्रा के डेवलपर, एसएस इनोवेशन्स इंटरनेशनल इंक. ने 100 रोबोटिक टेली-सर्जरी के सफल समापन के साथ एक ऐतिहासिक उपलब्धि की घोषणा की है। यह मील का पत्थर तकनीक-सक्षम स्वास्थ्य सेवाओं के विकास में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो यह दर्शाता है कि उन्नत सर्जिकल विशेषज्ञता को स्वदेशी नवाचार के माध्यम से दूर-दराज़ क्षेत्रों तक भरोसेमंद ढंग से पहुँचाया जा सकता है। इस उपलब्धि के उपलक्ष्य में, एसएस इनोवेशन्स इंटरनेशनल ने भारत की पहली मैराथन रोबोटिक टेली- सर्जरी का आयोजन किया, जिसके दौरान एक ही दिन में 20 से अधिक टेली-सक्षम रोबोटिक सर्जरी सफलतापूर्वक की गईं। यह पहल एसएसआईआई मंत्रा प्लेटफ़ॉर्म का वास्तविक क्लिनिकल प्रमाण प्रस्तुत करती है, जो विभिन्न सर्जिकल विशेषज्ञताओं में इसकी सटीकता, सुरक्षा और स्केलेबिलिटी को दर्शाती है। यह आयोजन स्वास्थ्य अवसंरचना को सशक्त बनाने और महानगरों से परे विशेषज्ञ-आधारित उपचार सेवाओं के विस्तार में रोबोटिक टेली-सर्जरी की बढ़ती भूमिका को भी रेखांकित करता है। यह उपलब्धि 1.4 अरब की आबादी वाले देश में टेली-सर्जरी की परिवर्तनकारी क्षमता को उजागर करती है, जहाँ उन्नत सर्जिकल देखभाल तक पहुँच अभी भी असमान है। दूरस्थ सर्जरी की सुविधा प्रदान कर, एसएसआईआई मंत्रा महत्वपूर्ण स्वास्थ्य अंतराल को पाटने, भौगोलिक असमानताओं को कम करने और एक अधिक समावेशी एवं सुदृढ़ स्वास्थ्य प्रणाली के निर्माण में योगदान देता है। साथ ही, यह चिकित्सा प्रौद्योगिकी और सर्जिकल नवाचार में भारत की वैश्विक नेतृत्वकारी भूमिका को भी सुदृढ़ करता है। डॉ. सुधीर श्रीवास्तव, संस्थापक, चेयरमैन एवं सीईओ, एसएस इनोवेशन्स इंटरनेशनल इंक., ने कहा, एसएसआईआई मंत्रा के साथ 100 टेली-सर्जरी पूरी करना भारतीय मेडटेक नवाचार के लिए एक निर्णायक क्षण है। यह मैराथन रोबोटिक टेली-सर्जरी बड़े पैमाने पर सटीकता और विश्वसनीयता का वास्तविक क्लिनिकल प्रदर्शन है। हमारा उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि उन्नत सर्जिकल देखभाल भौगोलिक सीमाओं तक सीमित न रहे और भारत में विकसित विश्वस्तरीय विशेषज्ञता सुरक्षित एवं भरोसेमंद तकनीक के माध्यम से हर मरीज तक पहुँच सके।

मैराथन रोबोटिक टेली-सर्जरी में विभिन्न विशेषज्ञताओं के अग्रणी सर्जनों ने भाग लिया। डॉ. सुधीर रावल, मेडिकल डायरेक्टर एवं प्रमुख यूरो जेनिटो ऑन्कोलॉजी, राजीव गांधी कैंसर इंस्टीट्यूट एंड रिसर्च सेंटर, ने कहा, एसएसआईआई मंत्रा के माध्यम से रोबोटिक टेली-सर्जरी उन मरीजों के लिए सटीक और समयबद्ध कैंसर उपचार संभव बनाती है, जिन्हें विशेष सर्जिकल विशेषज्ञता तक पहुँच नहीं मिल पाती। यह मील का पत्थर ऑन्कोलॉजी देखभाल को बड़े पैमाने पर प्रदान करने के तरीके में एक सार्थक बदलाव को दर्शाता है। डॉ. मोहित भंडारी, प्रेसिडेंट, आईआरसीएडी इंडिया एवं डायरेक्टर ङ्क बैरिएट्रिक सर्जरी, मोहक बैरिएट्रिक्स एंड रोबोटिक्स, ने कहा, यह उपलब्धि टेली-सर्जरी को भविष्य की अवधारणा के बजाय एक व्यावहारिक और स्केलेबल समाधान के रूप में स्थापित करती है।

हितेश अजगल्ले का पहला जिला दौरा बना शक्ति प्रदर्शन, युवाओं में दिखा जबरदस्त जोश

सारंगढ़-बिलाईगढ़(समय दर्शन) भारतीय जनता युवा मोर्चा के नवनियुक्त जिला अध्यक्ष हितेश अजगल्ले ने पदभार संभालने के बाद अपने पहले ही दौरा कार्यक्रम से जिले की राजनीति में नई ऊर्जा का संचार कर दिया। सरसीवा, भटगांव और बिलाईगढ़ क्षेत्र में आयोजित स्वागत कार्यक्रमों में युवाओं और भाजपा कार्यकर्ताओं का उत्साह देखते ही बन रहा था।

दौरे के दौरान हर स्थान पर सैकड़ों की संख्या में युवा मोर्चा और भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे। पुष्पमालाओं, नारों और गर्मजोशी भरे स्वागत के बीच हितेश अजगल्ले का काफिला आगे बढ़ता रहा। बाइक रैली, जनसंपर्क और सीधा संवाद कर उन्होंने संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने का स्पष्ट संदेश दिया।

अपने दौरे के दौरान हितेश अजगल्ले ने एक कबड्डी प्रतियोगिता में भी सहभागिता की, जहाँ आयोजन समिति और खिलाड़ियों ने उनका आत्मीय स्वागत कर सम्मानित किया। खेल मैदान में युवाओं के बीच उनकी सक्रिय मौजूदगी ने यह संदेश दिया कि युवा मोर्चा राजनीति के साथ-साथ खेल, समाज और युवाओं के हर क्षेत्र में सक्रिय भूमिका निभाने को प्रतिबद्ध है।

दौरा कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित सम्मेलन में हितेश अजगल्ले के संबोधन ने युवाओं में नया जोश भर दिया। मंच से उन्होंने वरिष्ठ नेताओं और युवा कार्यकर्ताओं से संवाद करते हुए संगठन की दिशा और लक्ष्य स्पष्ट किए।

अपने संबोधन में उन्होंने कहा— हितेश केवल एक नाम है, असली जिला अध्यक्ष इस जिले का हर युवा कार्यकर्ता है। इस कथन पर पूरा सम्मेलन स्थल तालियों और नारों से गूंज उठा।

कार्यक्रम में उपस्थित वरिष्ठ नेताओं ने नए जिला अध्यक्ष के नेतृत्व पर भरोसा जताते हुए संगठन को और अधिक सशक्त बनाने की बात कही। पूरे दौरे के दौरान दिखी भीड़, अनुशासन और उत्साह इस बात का संकेत है कि आने वाले समय में सारंगढ़ङ्कबिलाईगढ़ जिले में युवा मोर्चा एक मजबूत और निर्णायक भूमिका निभाने जा रहा है।

पहले ही दौरे में मिला यह व्यापक समर्थन साफ दर्शाता है कि युवा नेतृत्व के रूप में हितेश अजगल्ले को जिले के कार्यकर्ताओं का भरोसा और साथ दोनों प्राप्त है।

रामराज कॉटन ने एलीट व्हाइट कॉटन फैब्रिक कलेक्शंस के साथ अपनी प्रीमियम पेशकश का विस्तार किया

रामराज कॉटन, भारत में पारंपरिक पुरुष परिधानों का एक प्रतिष्ठित नाम, जिसने दशकों से सफेद रंग की सदाबहार सुंदरता और गरिमा को संजो कर रखा है। यह ब्रांड न केवल कपड़ों की गुणवत्ता, बल्कि परंपरा, शुद्धता और प्रीमियम आकर्षण का प्रतीक बन चुका है। रामराज व्हाइट अपनी ब्राइटनेस के लिए मशहूर है और इसकासिग्नेचर ब्राइट व्हाइटन केवल आंखों को सुकून देता है, बल्कि यह अब ब्रांड की अपनी एक अनूठी पहचान बन गया है। रामराज कॉटन को वास्तव में जो अलग करता है, वह है उसकी चमकदार सफेदी को दिन-प्रतिदिन, पूरे वर्ष भर प्रदान करने की क्षमता। शेड, क्वॉलिटी और फिनिश में अटूट स्थिरता के साथ, ब्रांड उद्योग में एक सबसे व्यापक व्हाइट फैब्रिक पोर्टफोलियो प्रदान करता है, जिसमें 500 से अधिक वैरायटीज हैं जो 100 प्रतिशत कॉटन, गीज़ा ब्लेंड्स, लिनेन कॉटन, पॉली विस्कोस, 100त्न गीज़ा कॉटन, शुद्ध लिनेन, पेपर फिनिश के साथ कॉटन और 100 प्रतिशत सुपिमा कॉटन को कवर करती हैं। नए फैब्रिक कलेक्शन के बारे में, श्री के.आर. नागराजन, रामराज कॉटन के फाउंडर और चेयरमैन, ने कहा, रामराज कॉटन में हमारा उद्देश्य हमेशा से पारंपरिक शिल्प कौशल की जड़ों से जुड़े रहना रहा है, साथ ही हम दुनिया की सबसे प्रीमियम और सम्मानित कॉटन किस्मों को शामिल कर अपनी पेशकश को लगातार बेहतर बना रहे हैं। आज जब भी लोग शुद्ध कॉटन या सफेद कपड़ों के बारे में सोचते हैं, तो उनके मन में स्वाभाविक रूप से रामराज का नाम आता है। हमारी 4,000 से अधिक धोती वैरायटीज़ के साथ, यह नया कलेक्शन उसी विरासत का विस्तार है जिसे हमने सालों से संजोया है। यह एक ऐसी विरासत है जो हर बुनाई में अपने देश के गौरव, हमारे बुनकरों के कौशल और रामराज की पहचान बन चुकी शुद्धता को समेटे हुए है। अपनी इसी गौरवशाली विरासत को आगे बढ़ाते हुए, रामराज कॉटन ने अब दुनिया की सबसे बेहतरीन और चुनिंदा कपास किस्मों से तैयार प्रीमियम सफेद कपड़ों की एक नई श्रृंखला पेश की है। इस विशेष कलेक्शन में सेलिब्रिटी व्हाइट, पेपर कॉटन, गीज़ा व्हाइट्स और व्हाइट प्लस जैसे उत्कृष्ट विकल्प शामिल हैं। इन्हें खासतौर पर आज की आधुनिक सिलाई और स्टाइल की जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है, ताकि पारंपरिक मूल्यों को बरकरार रखते हुए भी एक समकालीन लुक मिल सके। ये कपड़े प्रीमियम शर्ट, धोती और पुरुषों के अन्य आवश्यक परिधानों के लिए एकदम सटीक हैं, जो पहनने वाले को न केवल बेजोड़ आराम और शालीनता प्रदान करते हैं, बल्कि लंबे समय तक चलने वाली मजबूती का भरोसा भी देते हैं।

अपने देश,धर्म व संस्कृति के लिए अपने आपको बलिदान करें वहीं हिन्दू है :महामण्डलेश्वर रामप्रिय दास

सारँगढ़ बिलाईगढ़ -(समय दर्शन) शताब्दी वर्ष के निमित्त देशभर में मंडल स्तर पर एक महीने की अंतराल पे एक लाख हिन्दू सम्मेलनों का आयोजन हो रहा है.

इसी उपलक्ष्य में आज सारंगढ़ बिलाईगढ़ जिला अंतर्गत साल्हेओना मण्डल में एक विशाल हिन्दू सम्मेलन स्थानीय सरस्वती शिशु मंदिर विद्यालय प्रांगण में आयोजित हुई.

इस अवसर पर सनातन धर्म की एकता और अखंडता की चर्चा की गई तथा राष्ट्रभक्ति और एकजुटता पर जोर दिया गया. कार्यक्रम की शुरुआत भारत माता के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया. तत्पश्चात समस्त अतिथियों का स्वागत चंदन तिलक,माल्यार्पण,श्रीफल व शाल से ईश्वर प्रसाद साहू,जयप्रकाश पटेल,चूड़ामणि पटेल,जयरतन पटेल,गजिन्दर पटेल के द्वारा किया गया. कार्यक्रम के मुख्य अतिथि स्वामी शिवानंद गौसेवा आश्रम भीखमपुरा से पधारे महामण्डलेश्वर श्री रामप्रिय दास जी महाराज ने शास्त्रीय प्रमाण देकर जातिप्रथा का खंडन किया। उन्होंने कहा कि भारत अनादिकाल से हिन्दू राष्ट्र है तथा इसकी रक्षा के लिए अपने आपको बलिदान कर दे वहीं तो हिन्दू है. महाराज जी ने आगाह किया कि आने वाले समय में बड़ी चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा और कहा कि सनातन संस्कृति को सुरक्षा की दृष्टि से हम सबको जाग्रत होना पड़ेगा. चूंकि कुछ विधर्मी लोग किसी एक मजहब को खुश करने हेतु कुछ भी बोल रहे हैं और हिन्दू समाज को तोड़ने का कुत्सित प्रयास कर रहे हैं.

मुख्य वक्ता के रूप में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ रायगढ़ के विभाग प्रचारक राजकुमार भारद्वाज जी ने देश के गौरवशाली इतिहासकारों का उदाहरण देते हुए कहा कि समाज के सभी महापुरुषों का सम्मान करते हुए हमें उनसे सीख लेनी चाहिए।

उन्होंने श्रीराम चरित्र का वर्णन करते हुए कहा कि भगवान राम और उनके परिवार से हमें प्रेरणा लेनी चाहिए. उन्होंने कहा कि श्री राम अपने घर से बाहर निकलकर त्याग, तपस्या की है तब जाके वे राजा राम से भगवान राम बने.

श्री भारद्वाज ने इतिहास से सबक लेकर भविष्य की चिंता करने की बात कहकर बताया कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ छोटे-छोटे कार्यक्रमों के माध्यम से समाज को एकजुट करने का निरंतर प्रयास कर रहा है और 'पांच परिवर्तन' की जानकारी भी समाज में व्यापक रूप से दी है.

विशिष्ट अतिथि हरिनाम भिक्षुक गुरु श्री नरसिंह दाश जी महाराज ने भी सम्बोधित किया और कहा कि अपनी रहन सहन,वेशभूषा व व्यवहार में दिखावा नहीं बल्कि सुधार करने की जरूरत है.

श्री महाराज ने कहा नर नारायण स्वरूप को पहचान कर क्या करना है और क्या नहीं करना है इसे अपने आचरण में उतारें. कार्यक्रम की अध्यक्षता भोजकुमार नायक ने की तो संचालन राधामोहन पाणिग्राही ने किया।

इनकी रही गरिमामयी उपस्थिति- इस मौके पर युवराज चौधरी,पूजा संतोष चौहान,मदनकुमारी शौकीलाल सहिस,भुवन पटेल,तेजप्यारी अरूण सिदार,हितेश मालाकार,रत्नाबाई लखन सारथी,वन्दे युवा समिति के पदाधिकारी एवं सदस्य गण,सरस्वती शिशु मंदिर के आचार्य एवं दीदी तथा हिन्दू सम्मेलन आयोजन समिति के समस्त पदाधिकारी व सदस्य गण सहित सैकड़ों की संख्या में गणमान्य लोग मौजूद रहे।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार का विरोध, हिंदू जागरण मंच का प्रदर्शन

राजनांदगांव/डोंगरगढ़। बांग्लादेश में हिंदू समाज पर हो रहे अत्याचारों के विरोध में हिंदू जागरण मंच ने राजनांदगांव और डोंगरगढ़ में आक्रोश जताया। मंच के कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपकर बांग्लादेश सरकार के खिलाफ सख्त कदम उठाने और पीड़ित हिंदुओं को भारत में शरण देने की मांग की।

मंच ने ज्ञापन में हाल की एक घटना का उल्लेख करते हुए कहा कि बांग्लादेश के मयमनसिंह क्षेत्र में एक हिंदू युवक की हत्या की खबर सामने आई है, जिससे हिंदू समाज में रोष है। मंच का आरोप है कि बांग्लादेश में हिंदुओं को लंबे समय से दबाव, जबरन धर्म परिवर्तन और अन्य गंभीर अपराधों का सामना करना पड़ रहा है और हालात लगातार बिगड़ते जा रहे हैं। इसे मानवाधिकारों का उल्लंघन बताया गया।

हिंदू जागरण मंच का कहना है कि यह घटना सिर्फ बांग्लादेश का आंतरिक विषय नहीं है, बल्कि हिंदू समाज की सुरक्षा से जुड़ा गंभीर मुद्दा है। ज्ञापन में मांग की गई कि भारत सरकार कूटनीतिक और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ठोस कार्रवाई करे। साथ ही, वहां पीड़ित हिंदुओं को सुरक्षित निकालकर भारत में शरण देने की व्यवस्था की जाए।

राजनांदगांव में जिलाधीश के माध्यम से प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा गया। इस दौरान सुशील लड्ढा, प्रवीण शर्मा, सविता बोस, प्रभात गुप्ता, जुगल गुप्ता, हेमलाल ढीमर, गोविंद साहू, विष्णु सिंह, राजू साहू, कुबेर साहू, महेंद्र जंघेल, हरीश भानुशाली, मनोज गोलछा, मुकेश सोनी, नीलू साहू, रोहित तिवारी, आनंद गुप्ता सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

डोंगरगढ़ में एसडीएम के माध्यम से प्रधानमंत्री को ज्ञापन दिया गया। यहां विशाल सुराणा, अभिषेक अग्रवाल, सविता दरगढ़, निखिल शर्मा सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

हिंदू जागरण मंच ने चेतावनी दी कि यदि बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार नहीं रुके तो आंदोलन को और व्यापक किया जाएगा। साथ ही केंद्र सरकार से आग्रह किया गया कि वह इस मुद्दे को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर गंभीरता से उठाए और हिंदू समाज की सुरक्षा सुनिश्चित करे।

संक्षिप्त-खबर

अहिवारा में कांग्रेस का स्थापना दिवस मनाया गया

आज अहिवारा नगर में भारतीय कांग्रेस स्थापना दिवस धूमधाम से नगर में केक काटकर एवम मिठाई बाट कर मनाया गया सभी कांग्रेस कार्यकर्ताओं में हर्ष उल्लास का माहौल है। हम सभी को गर्व है की हम सभी एक ऐसे पार्टी से जुड़े हैं जो सदैव देश हित के बारे में सोचती है देश हित में काम कर सभी के सुख और दुख में सदैव खड़ी रहती है हम सब कांग्रेस विचारधारा से जुड़े है और सदैव जुड़े रहेंगे आज के कार्यक्रम में श्री कैलाश नाहटा जी , संतोष बाफ्ना, केशव महिलांग, मेहमूद जी,रामकृष्ण किट्टा, मंजूषा यादव,राजू यादव, नितेश देवांगन ,अभिषेक गिरी,परदेसी राम साहू, के लक्ष्मना,मुरली कृष्णा,सागर शिवारे,मनोज साहू,लेखेंद्र धीवर, रोहित यादव,विनोद साहू, जागेश्वर सूर्यवंशी, लल्लू माहेश्वरी, भागचंद जी, संतु बंजारे ,विजय यादव, राम चतुर्वेदी ,बिसवा साहू, छत्री जी आदि भारी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता गण उपस्थित थे।

मध्य ब्लॉक कांग्रेस द्वारा कांग्रेस के स्थापना दिवस पर ब्लॉक के वरिष्ठ कांग्रेसियों का सम्मान

दुर्ग। मध्य ब्लॉक कांग्रेस कमेटी दुर्ग द्वारा आज 28 दिसंबर को कांग्रेस के 141 में स्थापना दिवस के अवसर पर राजीव भवन दुर्ग में पूर्व विधायक अरुण वोरा,जिला कांग्रेस कमेटी दुर्ग के अध्यक्ष धीरज बाकलीवाल, प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महामंत्री राजेंद्र साहू व दीपक दुबे,पूर्व महापौर आर एन वर्मा,नेता प्रतिपक्ष संजय कोहले, छाया महापौर श्रीमती प्रेमलता साहू,राजेश यादव व मध्य ब्लॉक कांग्रेस कमेटी दुर्ग के अध्यक्ष अलताफअहमद के विशेष उपस्थिति में आज ब्लॉक के वरिष्ठ कांग्रेस जन कमल रुंगटा, विमलचंद जैन,हाजी इस्माइल चौहान, महेंद्र सेक्सरिया,खोरबाहरा राम निषाद,कपिल निषाद,श्रीमती शकुन ढीमर,अब्दुल वहिद चौहान,अजय शर्मा,चंद्रशेखर पारख, कल्याण सिंह ठाकुर,परमजीत सिंह भुई,कोशल किशोर सिंह,शेख मुकीम खान,पूर्व पार्षद बृजलाल पटेल का सम्मान किया गया। इस अवसर पर उत्तर ब्लॉक के अध्यक्ष महीप सिंह भुवाल,भोला महोबिया,सुमित घोष,प्रकाश सीवनकर,मनोज सिन्हा,आनंद कपूर ताम्रकार,गणेश सोनी,राजकुमार वर्मा,राहुल शर्मा,नासिर खोखर,सुशील भारद्वाज,अनीस रजा,रवि कोसरिया,अली असगर उपस्थित थे।

सांसद खेल महोत्सव मे झीट के खिलाड़ीयो का रहा उत्कृष्ट प्रदर्शन

पाटन. ग्राम झीट के खिलाडियों ने सांसद स्तरीय खेल महोत्सव मे पाटन विधानसभा का परचम लहराया है। हाल हि मे आयोजित दुर्ग लोकसभा स्तरीय स्तरीय खेल महोत्सव का आयोजन 24 दिसंबर से 25 दिसम्बर तक दुर्ग के रविशंकर स्टेडियम मे आयोजित हुआ , जिसमे पुरे दुर्ग लोकसभा के 9 विधानसभा साजा, बेमेतरा, दुर्ग ग्रामीण, दुर्ग शहर, पाटन, वैशाली नगर, नवागढ़, अहीवारा, भिलाई नगर के खिलाडियों ने विभिन्न खेलो मे 1500 से अधिक खिलाडियों ने अपने विधानसभा की ओर से प्रतिनिधित्व किया, इसी प्रतियोगिता मे झीट के खिलाडियों ने पाटन विधानसभा का प्रतिनिधित्व करते हुए उत्कृष्ट् प्रदर्शन कर पाटन को ओवर आल चैंपियन्स बनाने मे महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

जिसमे खिलाडियों ने खो खो मे - 15 आयु वर्ग मे बालक टीम ने प्रथम स्थान, 15 वायु बालिका वर्ग मे प्रथम स्थान 15-30 आयु वर्ग मे बालक और बालिका टीम ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया, भोजराम् साहू ने 100 मीटर रेस मे प्रथम स्थान और 400 मीटर मे द्वितीय स्थान प्राप्त किया वही वेटलिफ्टिंग मे टेकेश्वर ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। विजेता बने सांसद विजय बघेल के द्वारा सभी खिलाडियों को पुरस्कृत किया गया

सरस्वती शिशु मंदिर बसना में भारतीय ज्ञान परंपरा में शिक्षण प्रशिक्षण

बसना (समय दर्शन)। सरस्वती शिशुमंदिर बसना में दिनांक 28 दिसम्बर 2025 आचार्य विकास वर्ग में सर्वप्रथम मां भारती, ओम एवं विद्यादायिनी सरस्वती माता के छायाचित्र की समक्ष दीप प्रज्वलित किया गया । वरिष्ठ आचार्य अभिमन्यु दास ने ब्रह्मनाद करने की विधि बताते हुए कहा - प्रथम नाद को 75त्न से 25त्न, द्वितीय नाद को 50त्न से 50त्न एवं तृतीय नाद को 25त्न से 75त्न किया जाता है, साथ ही गायत्री मंत्र का उचित उच्चारण करना भी सिखाया । द्वितीय सत्र में रमेश कुमार कर ने प्रशिक्षण की आवश्यकता क्यों है ? इस पर अपना व्यक्तव्य देते हुए कहा - शिशु से सीधा संपर्क आचार्य का होता है ।

मनुष्य जीवन की अंतिम सांस तक सिखता है , मैं अर्थात अहंकार की भावना से मानव का पतन निश्चित है ।

वादे-वादे प्रति जयते अर्थात बार-बार देखना, चर्चा करने से स्मरण पटल में चेतना शक्ति बनी रहती है । सभी मानव में सोचने, विचारने की अलग-अलग क्षमता होती है । सभी को संतुष्ट करना संभव नहीं होता है, संतुष्ट करने के लिए विद्या भारती की योजना को समझना पड़ता है तथा आत्मविश्वास को बढ़ाने के लिए प्रशिक्षण की आवश्यकता होती है । प्रशिक्षण कैसे हो, उसका उदेश्य क्या है ? इस पर उन्होंने कहा कि विद्यालय के कार्य को पूर्ण रूप से संचालित करने के लिए बनाए गए योजना को पूर्ण मनोयोग के साथ पालन करना पड़ता है । वाणी माधुर्य का ध्यान रखते हुए शब्दों की गरिमा का चयन होना चाहिए ।

अयोग्य पुरुष: नास्ति ईश्वर द्वारा बनाये गए कोई भी मनुष्य अयोग्य नहीं होता है ।सभी में कुछ न कुछ गुण, कला, प्रतिभा अवश्य होती है । योजक्ता का गुण लाने के लिए स्वयं को परखना पड़ता है ।

भारतीय ज्ञान परंपरा में शिक्षण प्रशिक्षण को यूट्यूब के माध्यम से अखिल भारतीय संगठन मंत्री माननीय मुकुल कानिटकर के अमृतवाणी से सीखने को मिला कि - किसी भी कार्य को बार-बार दोहराना कौशल कहलाता है । कला को साधना पड़ता है, प्रकटीकरण करना पड़ता है । कला को साधने के लिए मन को साधना पड़ता है, मनुष्य के अंतर्मन में सुप्त कला, ज्ञान को प्रकट करना ही शिक्षा है। माली बीज को बोकर उसकी देखभाल करता है और अंकुरित होने का इंतजार करता है, उसी प्रकार शिक्षक छात्रों के अंतर्मन में सुप्त ज्ञान को प्रकट करने की कोशिश करता है । शिक्षक प्रेरणा स्त्रोत होता है, ज्ञान के साक्षात्कार से आनंद की प्राप्ति होती है ? संघ का परिचय कराते हुए सुंदरलाल प्रधान ने कहा कि - संघ का मतलब भीड़ करना नहीं, संघ का उद्देश्य भारत की एकता को बनाए रखते हुए, भारत को विश्व गुरु बनाना, समाज को जोड़ता है, देश हित में कार्य करना, व्यक्ति निर्माण करता है । डॉ बलिराम हेडगेवार ने समाज को एकजुट कर एकता के सूत्र में पिरोने का प्रयास किया । बार-बार के गुलामी से त्रस्त भारत माता को मुक्त कराने के लिए उन्होंने लोगों को जोड़ने का प्रयास किया । त्याग के समान सुख नहीं, संग्रह के समान दु:ख नहीं, ज्ञान के समान तप नहीं । शास्त्र के इस वाक्य को हेडगेवार ने अपने जीवन में धारण कर उसे सबके जीवन में उतारने का प्रयास किया ।अंत में समता एवं संघ प्रार्थना के साथ आवर्ती संपन्न हुआ । प्राचार्य धनुर्जय साहू, प्रधानाचार्य भरोस राम साव के मार्गदर्शन में 54 आचार्य/दीदीयों ने इस आवर्ती का लाभ लिया 7

शिक्षक सुशील प्रधान को मिला राष्ट्रीय शिक्षक रत्न समता अवार्ड 2025

बसना (समय दर्शन)। राष्ट्रीय समता साहित्य परिषद के तत्वाधान में समता साहित्य अकादमी के बैनर तले 18 वां राष्ट्रीय /अन्तर्राष्ट्रीय साहित्य सम्मेलन 2025 का भव्य आयोजन 27 दिसम्बर को भुवनेश्वर (ओड़िसा) के भारतीय विद्या भवन में हुआ द्य

कार्यक्रम में 10 राज्यों में से राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय पुरस्कार हेतु सम्मिलित हुए द्य इसी क्रम में छत्तीसगढ़ अन्य जिलों से 12 प्रतिभाओं ने पुरस्कार ग्रहण किये द्य महासमुंद जिले के बसना से एकमात्र शिक्षक सुशील प्रधान जी, शासकीय प्राथमिक शाला बिछिया (पो) को राष्ट्रीय शिक्षक रत्न अवार्ड से सम्मानित किया गया द्य

18वां राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय साहित्य सम्मेलन में मुख्य अतिथि- बिकाशा देबबर्मा, माननीय मंत्री, त्रिपुरा सरकार, सम्मेलन के अध्यक्ष - भजमन बेहरा, पूर्व केंद्रीय मंत्री, भारत सरकार, वक्ता- डॉ. जनक सिंह मीणा, अध्यक्ष, न्यू पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन सोसाइटी ऑफ आइडियाज, नई दिल्ली, सम्मानित अतिथि पिनाकी दास चौधरी विधायक- त्रिपुरा, श्रीमती कल्याणी साहा रॉय विधायक- त्रिपुरा के गरिमामयी उपस्थिति में और स्वागत अध्यक्ष डॉ. डी. एस. तांडेकर, समता साहित्य अकादमी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के मार्गदर्शन में सम्पन्न हुआ ।

उक्त सम्मान मिलने पर सभी सगे, सम्बन्धी, सहपाठी, मित्रों, शिक्षकों व परिवार जनों ने शुभकामनायें प्रेषित किए

छत्तीसगढ़िया क्रांति सेना द्वारा बाबा गुरु घासीदास चौक का उद्घाटन नंदिनी अहिवारा

अहिवारा। गुरु पर्व के पावन महीना के शुभ अवसर पर दिन 25 दिसंबर को डोपहर को 12:00 बजे अहिवारा नगर में सर्व छत्तीसगढ़िया समाज एवं छत्तीसगढ़िया क्रांति से1ना के द्वारा बाईपास जेके लक्ष्मी जाने वाले रोड पर बाईपास चौक बाबा गुरु घासीदास चौक का नामकरण एवम उद्घाटन किया गया 7 छत्तीसगढ़िया क्रान्ति सेना की अनोखी पहल एवम सतनामी समाज के सहयोग से यह कार्य सफ्ल हुआ 7 बाबा गुरु घांसीदास जी के अमृत वाणी मनखे मनखे एक समान के भाव को मानते हुए सभी समाज ने बढ़ चढ़ कर सहयोग दिया 7 इस शुभ अवसर पर अरुण गंधर्व जी(प्रदेश सचिव,जेसीपी), जागेश्वर वर्मा जी(जिला अध्यक्ष ,सीकेएस) पप्पू मेश्राम, महेश साहू, धमेंद्र साहू, कौशल साहू, कमलेश मारकंडे, मुकेश साहू जी,आशुतोष साहू जी, आजाद शिवहरे, राजेंद्र साहू, योगेश वर्मा आदि साथी उपस्थित थे

झारखंड में बहुभाषी शिक्षा पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में द्रोण साहू करेंगे छत्तीसगढ़ राज्य का प्रतिनिधित्व

पिथौरा(समय दर्शन)। झारखंड शिक्षा विभाग 7 एवं 8 जनवरी 2026 को रांची में नई शिक्षा नीति 2020 तथा बहुभाषी शिक्षा पर एक राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन कर रहा है।

इस सम्मेलन में शामिल होने के लिए समग्र शिक्षा झारखंड ने समग्र शिक्षा छत्तीसगढ़ को पत्र लिखकर द्रोण साहू को उक्त सम्मेलन में शामिल होने के लिए कार्यमुक्त करने का अनुरोध किया है। इस सम्मेलन में द्रोण साहू बहुभाषी कक्षा में काम करने के तरीकों पर अपने अनुभव पूरे देश के शिक्षाविदों के साथ साझा करेंगे।

उल्लेखनीय है कि द्रोण साहू शासकीय प्राथमिक शाला बिज़ेमाल,संकुल केंद्र छुवारी पतेरा, विकासखंड पिथौरा, जिला महासमुंद, छत्तीसगढ़ में प्रधानपाठक के पद पर कार्यरत हैं। वे पिछले कई वर्षों से बहुभाषी शिक्षा के कार्यक्रमों से जुड़े हुए हैं। इस विषय पर उनके कई आलेख राष्ट्रीय स्तर की पत्र- पत्रिकाओं में प्रकाशित हो चुके हैं। वे क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान भोपाल तथा राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद छत्तीसगढ़, रायपुर के स्त्रोत व्यक्ति भी हैं। झारखंड (रांची) में आयोजित इस राष्ट्रीय सम्मेलन में आमंत्रण पर विकास खंड शिक्षा अधिकारी श्रीमती लक्ष्मी डड़सेना, विकासखंड स्त्रोत समन्वयक नरेश पटेल, माननीय विधायक बसना के निज सहायक नरेंद्र बोरे, जनपद सदस्य पुरुषोत्तम धृतलहरे, कंवलजीत सिंह छाबड़ा, संकुल समन्वयक छुवारी पतेरा तुलाराम राणा, संकुल समन्वयक सांकरा लखनलाल कुर्रे,प्राचार्य हायर सेकेंडरी स्कूल छुवारी पतेरा श्रीमती यमुना पाण्डेय, जगदीश सामल , अंजय कश्यप, सोमनाथ चौहान, नीलांबर बेहरा,शासकीय प्राथमिक एवं पूर्व माध्यमिक शाला के स्टाफ अनिल कुमार भोई, रामप्रसाद बरिहा, रमेश कुमार साहू, श्रीमती कुसुमलता पटेल, संकुल केंद्र छुवारी पतेरा तथा सांकरा शिक्षक संघ के समस्त शिक्षकों ने शुभकामनाएं तथा बधाई दी है एवं हर्ष व्यक्त किया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात का विधायक डॉ संपत अग्रवाल ने किया श्रवण,कहा- स्वच्छता, जल संरक्षण और 'वोकल फॉर लोकल' को अपने जीवन का हिस्सा बनाएं

पीएम मोदी के संबोधन में छत्तीसगढ़ के 'जनजातीय गौरव' की गूँज,विधायक डॉ. संपत अग्रवाल ने जताया आभार

पीएम मोदी के विजन को जन-जन तक ले जाएंगे विधायक डॉ. संपत अग्रवाल,'मन की बात' को बताया राष्ट्र का संकल्प

बसना (समय दर्शन)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' का 129वां एपिसोड रविवार को प्रसारित हुआ। वर्ष 2025 की इस अंतिम कड़ी में प्रधानमंत्री ने जहाँ बीते वर्ष की अभूतपूर्व उपलब्धियों का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया, वहीं नए साल 2026 के लिए 'विकसित भारत' का रोडमैप भी देश के सामने रखा। बसना के लोकप्रिय विधायक डॉ. संपत अग्रवाल ने इस विशेष संस्करण का श्रवण अपने निवास पर परिजनों के साथ किया। कार्यक्रम के उपरांत उन्होंने प्रधानमंत्री के विचारों को जन-जन तक पहुँचाने का आह्वान करते हुए इसे राष्ट्र निर्माण का पाथेय बताया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात के संबोधन पर चर्चा करते हुए विधायक डॉ. संपत अग्रवाल ने कहा कि वर्ष 2025 भारतीय खेलों के इतिहास में एक स्वर्णिम अध्याय के रूप में दर्ज हुआ है। उन्होंने गौरव व्यक्त करते हुए कहा कि आज हमारी बेटियां युद्ध का मैदान हो या खेल का मैदान, हर जगह तिरंगा फहराकर राष्ट्र का मान बढ़ा रही हैं। विधायक डॉ. अग्रवाल ने भारतीय महिला क्रिकेट टीम द्वारा पहली बार वर्ल्ड कप जीतने की उपलब्धि को नारी शक्ति की सबसे बड़ी जीत और देश की करोड़ों युवतियों के लिए प्रेरणा का आधार बताया।

विधायक डॉ अग्रवाल ने महिला ब्लाइंड ञ्20 वर्ल्ड कप में भारत की बेटियों की ऐतिहासिक जीत को अदम्य साहस की मिसाल बताया। उन्होंने कहा कि इन खिलाड़ियों ने यह सिद्ध कर दिया है कि यदि हौसले बुलंद हों, तो कोई भी शारीरिक बाधा प्रगति का रास्ता नहीं रोक सकती। इसके साथ ही, उन्होंने भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम द्वारा ट्टुष्ट चैंपियंस ट्रॉफी जीतने के गौरवशाली क्षणों को याद करते हुए इसे पूरे देश के लिए दोहरी खुशी का अवसर बताया।

विधायक डॉ. संपत अग्रवाल ने विशेष रूप से उल्लेख किया कि प्रधानमंत्री ने छत्तीसगढ़ की कला, संस्कृति और जनजातीय गौरव की सराहना कर प्रदेशवासियों का मान बढ़ाया है। पीएम मोदी द्वारा कुंभ जैसे बड़े आयोजनों में छत्तीसगढ़ की सहभागिता को राष्ट्रीय एकता का सूत्र बताना प्रदेश के लिए गर्व का विषय है। विधायक डॉ. अग्रवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री का छत्तीसगढ़ के प्रति यह विशेष स्नेह राज्य के विकास को नई ऊर्जा और पहचान प्रदान करता है।

क्षेत्रीय विकास की प्रतिबद्धता दोहराते हुए विधायक डॉ. अग्रवाल ने कहा कि बसना विधानसभा की खेल प्रतिभाओं को इन राष्ट्रीय नायिकाओं से सीख लेनी चाहिए। उन्होंने संकल्प लिया कि बसना की बेटियों को आधुनिक खेल सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी, ताकि वे भी अंतरराष्ट्रीय पटल पर क्षेत्र का नाम रोशन कर सकें।

अंत में, विधायक डॉ. अग्रवाल ने प्रधानमंत्री द्वारा दिए गए आगामी वर्ष 2026 के लक्ष्यों को 'विकसित भारत' की आधारशिला बताया। उन्होंने क्षेत्रवासियों से अपील की कि वे प्रधानमंत्री के तीन मुख्य मंत्रों— स्वच्छता, जल संरक्षण और 'वोकल फॉर लोकल' को अपने जीवन का हिस्सा बनाएं। उन्होंने कहा कि 'मन की बात' केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि 140 करोड़ भारतीयों के सामूहिक संकल्प की शक्ति है, जो देश को विश्व गुरु बनाने की ओर अग्रसर है।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.) 491111 से मुद्रित कर बी-4, प्रेस काम्प्लेक्स, इंदिरा मार्केट, दुर्ग छ.ग. 491001 से प्रकाशित। संपादक :- रोहित खड़तकर,
समाचार संपादक : दामोदर राव, फोन नं.-0788-4051213, मो. 9827104452, रायपुर कार्यालय:-0771-4218364, ईमेल - samay.darshan191@gmail.com पं. क्र. CHHHIN/2011/41517 डाक पंजीयन क्रमांक छ.ग./दुर्ग/61/2021-23